शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 10, पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | सोमवार 05 फरवरी 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

असम को पीएम मोदी ने दी करोड़ों की सौगात

पीएम ने असम में मां कामाख्या दिव्य परियोजना सहित 11 हजार करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

नई दिल्ली
विकास और विरासत को अपनी सरकार की नीति बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कोई देश अपनी विरासत को भुलाकर विकसित नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने विरासत पर शर्मिंदा होने का ट्रेंड बना लिया था और कभी आस्था के केंद्रों के विकास का महत्व नहीं समझा। प्रधानमंत्री ने रविवार को असम में मां कामाख्या दिव्य परियोजना सहित 11 हजार करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि दिव्य परियोजना के पूरा होने पर यहां भी राम मंदिर जैसा महौल बन जाएगा। इस तरह की परियोजना से गरीब से गरीब को भी कमाने के अवसर प्राप्त होते हैं। आज असम विकास और विरासत की नीति से हो रहे बदलाव का साक्षी बन रहा है। प्रधानमंत्री ने मां कामाख्या दिव्य परियोजना (मां कामाख्या एक्सेस कॉरिडोर) की आधारशीला भी रखी। इसे पूर्वोत्तर क्षेत्र योजना के लिए प्रधानमंत्री के विकास पहल के तहत मंजूरी दी गई है। यह परियोजना कामाख्या मंदिर आने वाले तीर्थयात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे तीर्थ, हमारे मंदिर, हमारी आस्था के स्थान, ये सिर्फ दर्शन करने की स्थली ही नहीं हैं। ये हजारों वर्षों की हमारी सभ्यता की यात्रा की अमिट निशानियां हैं। भारत ने हर संकट का सामना करते हुए कैसे खुद को अटल रखा, ये उसकी साक्षी हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बजट में घोषित रूफटॉप सोलर योजना का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार बिजली बिल शून्य करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। पिछले 10 वर्षों में हमने हर घर में बिजली पहुंचाने का अभियान चलाया। अब रूफटॉप सोलर योजना के तहत सरकार एक करोड़ परिवारों को छत पर सोलर पैनल लगाने में मदद करेगी। देश के विकास में पूर्वोत्तर की बड़ी भूमिका को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में केन्द्र सरकार के प्रयासों से यहां शांति का माहौल बना है।

खेल को बढ़ावा देने के लिए कई परियोजनाओं की आधारशिला रखी

प्रधानमंत्री डोलाबारी से जमुगुरी और बिश्वनाथ चारियाली से गोहपुर तक की दो 4-लेन परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इन परियोजनाएं ईटानगर से कनेक्टिविटी को बेहतर करने और क्षेत्र के समग्र आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने राज्य में खेल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए कई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इन परियोजनाओं में चंद्रपुर में एक अंतरराष्ट्रीय मानक खेल स्टेडियम और नेहरू स्टेडियम को फीफा मानक फुटबॉल स्टेडियम के रूप में उन्नत करना शामिल है।

सीमा से जुड़े मसले सुलझाये गए हैं: मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि सीमा से जुड़े मसले सुलझाये गए हैं, स्थायी शांति स्थापित हुई है, 10 बड़े शांति समझौते हुए हैं और बड़ी संख्या में युवाओं ने हिंसा का रास्ता छोड़ा है। पिछले 10 वर्षों में ही हमने 6,000 किमी के नए नेशनल हाई-वे बनाए हैं। पिछले 10 वर्षों में हमारी सरकार ने यहां विकास पर होने वाले खर्च को 4 गुना बढ़ाया है। 2014 के बाद रेलवे ट्रैक की लंबाई 1900 किमी से ज्यादा बढ़ाई गई। 2014 से पहले की तुलना में रेल बजट करीब 400 प्रतिशत बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार हर लाभार्थी तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य प्रत्येक नागरिक के जीवन को आरामदायक बनाना है। यह फोकस हमारे बजट में स्पष्ट है। बजट में सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर पर 11 लाख करोड़ रुपये खर्च करने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री 3400 करोड़ रुपये से अधिक लागत की कई सड़क उन्नयन परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इसमें 38 पुलों सहित 43 सड़कें शामिल हैं, जिन्हें दक्षिण एशिया उप-क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग (एसएएसईसी) कॉरिडोर कनेक्टिविटी के हिस्से के रूप में उन्नत किया जाएगा।

मोदी असम के सदाबहार मित्र और शुभचिंतक हैं: सीएम डॉ. सरमा

गुवाहाटी
मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि बुनियादी ढांचे के विकास की पहल से असम की प्रगति में एक और बड़ी छलांग लगाते हुए, रविवार को वर्चुअल मोड के माध्यम से कुल 11,600 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा औपचारिक उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री डॉ सरमा आज गुवाहाटी में कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस प्लेग्राउंड में आयोजित एक समारोह को प्रधानमंत्री की उपस्थिति में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर स्वागत भाषण देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को असम के लोगों का सदाबहार मित्र बताते हुए, कहा कि असम के इतिहास में एक ही दिन में कुल मिलाकर 11,600 करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के प्रति प्रधानमंत्री की सद्भावना के कारण, यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) और राज्य में सक्रिय अन्य विद्रोही समूहों के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य भर में शांति की वापसी से हजारों युवा मुख्यधारा में लौट आए हैं, जो अब राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान दे रहे हैं।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाला शख्स मेरठ से गिरफ्तार

लखनऊ
उत्तर प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने रूस के मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास में काम करने वाले एक युवक को मेरठ से गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया युवक हापुड़ जिले का रहने वाला है। उस पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने का आरोप है। उत्तर प्रदेश एटीएस के एडीजी मोहित अग्रवाल ने रविवार को बताया कि एटीएस ने जासूसी के आरोप में हापुड़ निवासी सत्येंद्र सिवाल को गिरफ्तार किया है। वह 2021 से मॉस्को स्थित दूतावास में इंडिया बेस्ट सिक्योरिटी असिस्टेंट के पद पर कार्यरत है। पूछताछ में आरोपित ने भारतीय दूतावास, रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय सैन्य इंस्टिट्यूट की महत्वपूर्ण गोपनीय सूचनाएं पाकिस्तानी हैंडलरों को भेजने की बात को स्वीकारा है। उसके पास से तलाशी में मोबाइल फोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं एक पहचान पत्र बरामद किया है। अग्रवाल ने बताया कि एटीएस को गोपनीय विभाग से सूचना मिली थी कि आईएसआई के हैंडलरों द्वारा कुछ लोगों से भारतीय विदेश मंत्रालय के कर्मचारियों को धन का लालच देकर सेना से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएं प्राप्त की जा रही हैं। इसके बाद एटीएस ने सर्विलांस के माध्यम से नजर रखना शुरू कर दिया। जांच में पता चला कि दूतावास में कार्यरत सत्येंद्र सिवाल आईएसआई के हैंडलरों को महत्वपूर्ण सूचनाएं उपलब्ध करा रहा है। पुख्ता सबूत मिलने पर सत्येंद्र सिवाल को मेरठ के एटीएस फील्ड यूनिट बुलाकर पूछताछ की गई।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा पांच को पहुंचेगी रांची, राहुल गांधी करेंगे जनसभा

रांची
पाकुड़ से शुरू हुई कांग्रेस नेता राहुल गांधी की न्याय यात्रा कई जिलों से गुजरती हुई सोमवार को झारखंड की राजधानी रांची में प्रवेश करेगी। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने रविवार को कहा कि यात्रा बूटी मोड़, बरियातू, हरमू होते हुए शहीद मैदान पहुंचेगी। इसके बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी वहां जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा में झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम सहित प्रदेश के तमाम पदाधिकारी कार्यकर्ता जिला अध्यक्ष मौजूद रहेंगे।

परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों पर लगाम कसेगी सरकार, संसद में पेश होगा नया विधेयक

नई दिल्ली
युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले परीक्षा माफिया को जमींदोज करने के लिए केंद्र सरकार सोमवार को नया विधेयक संसद में पेश कर सकती है। जिसमें परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों को 10 साल तक की जेल की सजा और एक करोड़ तक जुर्माना हो सकता है। यह जेईई, नीट और सीयूईटी सहित सभी प्रतियोगी और भर्ती परीक्षाओं पर प्रभावी होगा। इसके दायरे में सभी राज्य आएंगे। वैसे भी जेईई, नीट व सीयूईटी जैसी परीक्षाओं का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर होता है। इसके साथ ही राज्य भी अपनी भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में किसी भी तरह की गड़बड़ी पर रोकथाम के लिए इस कानून को अपना सकेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 31 जनवरी को बजट सत्र के पहले दिन अपने अभिभाषण में परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने के लिए इस कानून को लाने जाने की जानकारी दी थी। सूत्रों के मुताबिक परीक्षाओं से जुड़ी गड़बड़ियों को रोकने के लिए यह कानून कार्मिक मंत्रालय की ओर से लाया जा रहा है। इसमें मंत्रालय ने हाल ही में केंद्र और राज्य के स्तर पर आयोजित उन सभी परीक्षाओं के अनुभव को भी शामिल किया है, जिनका बेहतर तरीके से आयोजन हुआ है या फिर उनमें किसी स्तर पर गड़बड़ी देखने को मिली है। इसमें खासतौर पर केंद्र सरकार की ओर से चलाए गए भर्ती अभियान से जुड़े इनपुट को भी आधार बनाया गया है। जिसे तकनीक के बेहतर इस्तेमाल से पारदर्शी व तय समय में पूरा किया गया था। सूत्रों की मानें तो परीक्षा में गड़बड़ियों के पीछे देश भर में सक्रिय परीक्षा माफिया है।

कानूनी एजेंसियां सीमाओं से बंधी नहीं: शाह

नई दिल्ली
कॉमनवेल्थ अटॉर्नी और सॉलिसिटर जनरल कॉन्फ्रेंस (सीएएसजीसी-24) के समापन सत्र में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कानून का राज स्थापित करने को लेकर सख्त संदेश दिया। शाह ने कहा कि न्यायपालिका में तकनीक का इस्तेमाल बढ़ने से पूरा सिस्टम सरल बनाया जा सकता है। शाह ने तीन अ का फॉर्मूला बताते हुए कहा, न्यायपालिका आम लोगों की पहुंच में होनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कम खर्च में गरीबों को न्याय दिलाने के विजन के तहत किफायती और न्याय सुनिश्चित करने के लिए अदालतों की जवाबदेही का जिक्र किया। उन्होंने पूरे सिस्टम को सुलभ, किफायती और जवाबदेह बनाने की दिशा में प्रयास किए जाने का आह्वान भी किया।

कानूनी एजेंसियों के लिए बॉर्डर बेमानी हैं
शाह ने रविवार को कहा कि अपराध और अपराधी भौगोलिक सीमाओं का सम्मान नहीं करते। इसलिए, देश की विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भी जांच और पीड़ितों को इंसाफ दिलाने की राह में किसी भी सीमा को बाधा नहीं मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपराधों को सुलझाने के इन बाधाओं को एक शुरूआती बिंदु के रूप में समझना चाहिए।

ऑपरेशन लोटस का डर: नीतीश सरकार के फ्लोर टेस्ट से पहले कांग्रेस विधायक हैदराबाद पहुंचे

पटना
झारखंड की तरह की बिहार कांग्रेस के भी विधायकों के टूटने की आशंका है। जैसे झारखंड के अपने विधायकों को कांग्रेस आलाकमान ने अपनी पार्टी की सरकार वाले राज्य तेलंगाना भेजा था, उसी तर्ज पर बिहार के एमएलए भी हैदराबाद भेज दिए गए हैं। इनमें से ज्यादातर को दिल्ली में अचानक बताया गया कि वह हैदराबाद जा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश कुमार सिंह के अनुसार, तेलंगाना में कांग्रेस की नई सरकार बनी है तो बधाई देने के लिए बिहार की टीम आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि वह 11 फरवरी तक वहीं रहेंगे। बिहार में 28 जनवरी को उलटफेर के बाद भारतीय जनता पार्टी के साथ जाकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नई सरकार का गठन किया था। इस सरकार को 12 फरवरी को बिहार विधानसभा में बहुमत साबित करना है।

बिहार में राजनीतिक उठापटक की आशंका
रविवार की शाम बिहार कांग्रेस विधायकों का जत्था अचानक हैदराबाद के शमशाबाद हवाईअड्डे उतरा। मीडिया के सवालों पर बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश सिंह सीधा जवाब दिया कि यहां हमारी पार्टी की नई सरकार बनी है, इसलिए, हम सभी यहां पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री से मिलेंगे और उन्हें बधाई देंगे।

बिहार कांग्रेस के 19 में से 16 विधायक हैदराबाद में उतरे और यहां फोटो सेशन भी कराया। अखिलेश सिंह भले कह रहे कि वहां के सीएम को बधाई देने पहुंचे हैं, लेकिन बताया जा रहा है कि वह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बहुमत परीक्षण के दिन कांग्रेस के विधायकों को एकजुट रखने के उद्देश्य से वहां गए हैं।

सियासी मुकाबला करने में नाकाम रही भाजपा, इसलिए राज्य को निशाना बना रहा केंद्र'

कोलकाता
पश्चिम बंगाल में विभिन्न योजनाओं के लिए केंद्र से बकाए की मांग को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना जारी है। इस बीच, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने रविवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा। पार्टी ने आरोप लगाया कि वह 'वित्तीय संघीय आतंकवाद' में शामिल है। टीएमसी के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने उन दावों को खारिज किया, जिनमें कहा जा रहा था कि राज्य सरकार ने केंद्र के कोष के लिए 'उपयोगिता प्रमाण पत्र' जमा नहीं कराया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र राज्य को इसलिए निशाना बना रहा है, क्योंकि वहां भाजपा विरोधी पार्टी का शासन है। केंद्र के बकाए को लेकर ब्रायन ने कहा, "यह राजकोषीय संघीय आतंकवाद है। यह और कुछ नहीं, बल्कि भाजपा की ओर से पश्चिम बंगाल को निशाना बनाने का प्रयास है।

आज चंपई सोरेन की अग्निपरीक्षा, रांची के लिए रवाना हुए विधायक

रांची
विधानसभा में सोमवार को चंपई सरकार विश्वास मत प्रस्ताव का सामना करेगी। सत्तारूढ़ गठबंधन के घटक दलों ने इस संबंध में अलग-अलग व्हिप जारी किया है। सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के मुख्य सचेतक नलिन सोरेन ने पार्टी की ओर से विधायकों को व्हिप जारी करते हुए विधानसभा में उपस्थित होने को कहा है। विश्वास मत प्रस्ताव पर सारे विधायक पक्ष में मतदान करेंगे। उधर, कांग्रेस की ओर से भी पार्टी विधायकों को व्हिप जारी किया गया है। मतदान के दौरान सारे विधायकों को पक्ष में वोटिंग करने का निर्देश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि व्हिप का उल्लंघन करने पर पार्टी विधायकों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई कर सकती है।

तट रक्षक गतिविधि को लेकर मालदीव ने भारत से मांगा स्पष्टीकरण

गोरखपुर
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बदलाव, नयापन और विकास के लिए सरकार की नीयत को जवाबदेह करार दिया है। उन्होंने कहा है कि किसी भी प्रदेश का विकास वहां की सरकार की नीयत पर निर्भर है। सरकार पारदर्शी और ईमानदार होगी तो उसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। यदि सरकार भ्रष्ट, बेईमान होगी तो उसके परिणाम भी उसी प्रकार के देखने को मिलेंगे जैसे कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में देखने को मिलते थे। मुख्यमंत्री योगी रविवार पूर्वाह्न गोरखपुर में एक मीडिया समूह की तरफ से आयोजित विमर्श कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। नए भारत का नया उत्तर प्रदेश विषयक विमर्श में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद सरकार की नीयत विकास की रही तो आज उत्तर प्रदेश आर्थिक निवेश का महत्वपूर्ण गंतव्य बन गया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में यूपी की रैंकिंग 14वें स्थान से दूसरे स्थान पर हो गई है और अब नम्बर वन की लड़ाई है। आबादी में पहले स्थान वाला यह राज्य देश की छठवीं अर्थव्यवस्था था, आज यह नंबर दो की अर्थव्यवस्था हो गया है। अगले पांच सालों में अग्रणी स्थान पर होगा। देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बनकर यह प्रदेश अगले तीन वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सात साल पहले वाला इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार, विकास जनकल्याणकारी योजनाओं के लिहाज से बदहाल राज्य नहीं रह गया है। अब यह हर दूसरे-तीसरे दिन दंगों के लिए जाने जाना वाला, नागरिकों की पहचान का संकट वाला और चौपट उद्योग-कारोबार वाला राज्य भी नहीं है।

अब तो यह दंगामुक्त, कानून व्यवस्था का रोल मॉडल, नागरिक पहचान को देश-दुनिया में सम्मान दिलाने वाला और बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर व नीतियों के संगम से निवेश का सर्वोत्तम गंतव्य बनकर देश की अर्थव्यवस्था का अग्रणी और ग्रोथ इंजन बनने वाला नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है।'

'यूपी के युवाओं के सामने था पहचान का संकट'
'सीएम योगी ने कहा कि दस वर्ष पूर्व भारत की स्थिति क्या थी, सभी जानते हैं। देश में उपद्रव और असंतोष के हालात थे। दुनिया में भारत की इज्जत नहीं थी। लोग संदेह की निगाहों से भारत को देखते थे। भारत के पासपोर्ट की कोई कीमत नहीं थी। भारत की सीमाएं सुरक्षित नहीं थीं। पूर्व की स्थिति बताने के बाद सीएम योगी ने बीते दस सालों में आए बदलाव का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दस वर्ष के अंदर भारत ने हर एक क्षेत्र में नई प्रगति की है।

गंगा कछार में धारदार हथियार से महिला की नृशंस हत्या

वारदात के बाद शव को बालू में दबाया, दुष्कर्म की आशंका, शनिवार की शाम घर से सरपत काटने निकली थी महिला, झूंसी के नीबी भतकार गांव का है मामला

अखंड भारत संदेश

झूंसी। थाना क्षेत्र के नीबी-भतकार गांव में शनिवार की रात गंगा के कछार में 45 वर्षीय महिला बिटोला निषाद पत्नी रामआसरे निषाद की नृशंस हत्या कर दी गई। महिला के चेहरे को विकृत करने के साथ ही सीने पर धारदार हथियार से कई दफे वार किया गया था। मारी गई महिला बिटोला देवी शनिवार की दोपहर गंगा के कछार में सरपत काटने के लिए गई थी। हत्यारों ने महिला की नृशंस हत्या करने के बाद उसके आधे शव को बालू में दबा दिया था। महिला के साथ दुष्कर्म की आशंका भी जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर इलाकाई पुलिस के साथ-साथ फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और तफ्तीश की। हालांकि हत्यारों का कोई सुराग नहीं लग सका। पुलिस ने महिला के बेटे भारत निषाद की तहरीर पर अज्ञात हत्यारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घटना से गांव की बस्ती में काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। मौके पर ग्रामीण भी भारी संख्या में जुट गए थे। थाना क्षेत्र के नीबी-भतकार गांव निवासी रामआसरे निषाद खेती-किसानी कर परिवार का पेट पालता है। उसे एक बेटी सोना और बेटा भारत निषाद है। शनिवार की दोपहर तकरीबन तीन बजे रामआसरे की 45 वर्षीय पत्नी बिटोली देवी गंगा के कछार की ओर सरपत काटने गई थी। तकरीबन इसी वक्त भारत अपने पिता राम आसरे के साथ खेत में गेंहू की सिंचाई करने गया था। तकरीबन सात बजे पिता-पुत्र तो घर लौट आए लेकिन बिटोला वापस नहीं आई। इसके बाद पिता-पुत्र देर रात तक उसकी तलाश करते रहे लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसी बीच रविवार की सुबह तकरीबन सात बजे गंगा के कछार में ग्रामीणों ने महिला का बालू में आधा दबा हुआ शव देखा तो कोहराम मच गया। घटना की जानकारी होने पर पति रामआसरे, बेटा भारत और बेटी सोना रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे। हत्यारों ने धारदार ह?थियार से बिटोला की नृशंस हत्या कर दी थी। हत्यारों ने माथे और आंख पर हसिया से कई वार कर बुरी तरह जख्मी कर दिया था। साथ ही सीने में भी हसिया से कई वार कर उसे फाड़ दिया था। महिला का विकृत शव देख ग्रामीणों का कलेजा मुंह को आ गया। शव के पास ही खून से सनी हसिया भी पड़ी हुई थी। महिला के परिजनों ने दुष्कर्म की आशंका भी जताई है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई तो मौके पर पहुंची और तफ्तीश की। फोरेंसिक टीम और डॉग स्कवायड को भी मौके पर बुलाया गया था लेकिन हत्यारों का कोई सुराग नहीं लग सका। बाद में बेटे भारत की तहरीर पर अज्ञात हत्यारोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। मौके पर ग्रामीण भी जुटे हुए थे।

चलती ट्रेन में झपट्टा मारकर मोबाइल छीन कर भागने वाले शातिर को आरपीएफ ने दबोचा

मऊआइमा। चलती ट्रेन से झपट्टा मारकर कर मोबाइल,पर्श आदि चोरी कर भागने वाले उचक्के को आर पी एफ ने गिरफ्तार कर प्रतापगढ़ ले गयी। प्रयागराज से प्रतापगढ़ की ओर जाने वाली ट्रेनों की खिड़की के पास बैठे मुसाफिरों को मऊआइमा आऊटर के प्रायः झपट्टा मारकर कर मोबाइल, फर्श छिनने की शिकायत काफी दिनों से यात्री करते चले आ रहे हैं। बताया गया है कि उक्त गिरोह सेवाइथ, मऊआइमा, विश्वनाथगंज आदि स्टेशनों के आउटरों पर करता चला आ रहा है।बताते हैं कि चलती ट्रेन जब मऊआइमा रेलवे स्टेशन के आगे आउटर पर पहुंची तभी एक झपट्टा मार मोबाइल छिन कर ट्रेन से कूद कर भागने की कोशिश किया तभी पहले से लगे आर पी एफ के जवानों ने उस युवक को दबोचकर अपने प्राइवेट वाहन से लेकर चले गए।आर पी एफ के जवानों ने बताया कि यह गिरोह काफी दिनों से ट्रेनों में झपट्टा मारकर कर मोबाइल आदि छिन कर भागता चला आ रहा है। गिरफ्तार युवक से पूरे गिरोह का पता चलेगा।

कैंसर रोग से डरने की नहीं लड़ने की है जरूरत : डॉ अमित यादव

सहसों। कैंसर न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य और कल्याण के लिए विनाशकारी है बल्कि बड़े पैमाने पर परिवारों और समाज के लिए भी एक महत्वपूर्ण चुनौती है। कैंसर रोग से हम सबको डरने की जरूर नहीं है अपितु साहस और हिम्मत से लड़ने की जरूरत है। उक्त बातें रविवार को सहसों बाईपास स्थित हरि ओम चैरिटेबल ट्रस्ट में आयोजित विश्व कैंसर दिवस गोष्ठी में डॉक्टर अमित कुमार यादव ने कही। उन्होंने कहा कैंसर रोग स्वास्थ्य प्रणाली के साथ-साथ बाजार में अच्छी उत्पादकता में कमी एवं सामान्य जीवन यापन करने वाले मध्यम वर्ग के लोगों पर व्यापक पैमाने से अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण असर डाल रहा है। जिससे लोगों का असामयिक मृत्यु का कारण बनता जा रहा है। इससे लोगों के जीवन में सतत विकास में बाधा उत्पन्न हो रही है। उन्होंने लोगों को बचाव एवं जागरूक करते हुए कहा कि सभी स्वस्थ व्यक्तियों को धूम्रपान, तंबाकू जैसे आदि उत्पादों का उपयोग करने से बचना चाहिए। उच्च कैलोरी और बाजारू खाद्य पदार्थों का सेवन बिलकुल न करें। फल और सब्जियों का सेवन अधिक करें, शारीरिक गतिविधि में नियमित व्यायाम करना चाहिए। बचाव के लिए ये सबसे उपयोगी तरीका है। कैंसर का प्रारंभिक चरण में पता लग जाए तो इलाज कर कैंसर को पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है। परंतु अधिकांशतः कैंसर रोग के अंतिम चरण में लक्षण जानकारी होने पर इलाज संभव नहीं हो पाता जिससे लोगों की असामयिक मौत हो जाती है। गोष्ठी में प्रमुख रूप से सोहनलाल केसरवानी, विनोद कुमार, राजेश यादव, लाल जी, नीरज पांडे, ज्ञान प्रकाश, सोनू , अमित जायसवाल, पुट्टीलाल सोनी सहित लोग जागरूक होते हुए उपस्थित रहे।

कल्पवास का आध्यात्म के साथ है वैज्ञानिक प्रमाण : लक्ष्मण आचार्य

भीषण ठंड में एक वक्त का भोजन करके भजन में तल्लीन कल्पवासी का त्याग अनुकरणीय, श्रीकृष्णा जन सेवा समिति एवं सावित्री देवी दातव्य औषधालय शिविर में महापौर की कार्यशैली को सिक्किम के राज्यपाल ने सराहा

अखंड भारत संदेश

झूंसी। सिक्किम राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य रविवार को प्रयागराज के माघमेला क्षेत्र में थे। महापौर गणेश केशरवानी की तरफ से श्रीकृष्णा जन सेवा समिति एवं सावित्री देवी दातव्य औषधालय शिविर में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे लक्ष्मण आचार्य ने कल्पवास का महत्व बताते हुए कहा कि इस भीषण ठंड में संगम की रेती पर एक माह तक एक वक्त भोजन करके तीन मीटिंग भजन करने की परंपरा सिर्फ आध्यात्म ही नहीं इसके लाभ के वैज्ञानिक प्रमाण भी है। इस तपस्या का मकसद आत्मा का परमात्मा से मिलन का अवसर प्रदान करना है।

इस अध्यात्म की रेती पर कम खाना, ज्यादा से ज्यादा अपने आराध्य का भजन करने का संकल्प लेना कठिन जरूर है लेकिन यह हमारे सनातन धर्म की अद्भुत परंपरा सदियों पुरानी है जो आज भी बदस्तूर जारी है। माघ मेला तुलसी मार्ग श्री कृष्णा जन सेवा समिति एवं सावित्री देवी दातव्य औषधालय शिविर में आयोजित कल्पवास महात्मय व्याख्यान में सिक्किम के महामहिम राज्यपाल माननीय लक्ष्मण आचार्य प्रयागराज के महापौर गणेश केशरवानी की तारीफ करते हुए कहा कि मेयर को भारत सरकार ने यशस्वी मेयर का तमगा दिया है जो प्रयागराजवासियों के लिए गौरव की बात है। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व भारत भूमि की ओर देख रहे है। बीच के कालखंड में हमारी संस्कृति, सभ्यता और संस्कारो को जिस तरह से विदेशी अक्रांताओ ने कुचलने का प्रयास किया था उससे हमारे मन में आत्महीनता की भावना आ गई थी। कभी विश्व गुरु की भूमिका निभाने वाली इस भारत भूमि पर दुनिया से लोग ज्ञान लेने आते थे। विदेशी अक्रांताओ ने 600 वर्षो में हमारी संस्कृति, संस्कार और धर्म को कुचला गया। हम मां, पिताजी को छोड़ मम्मी डैडी के युग में आ गए थे, लेकिन अब बदलाव हो रहा है। बच्चो के वैदिक नाम रखने से बचने लगे थे, जो कि एक गहरी साजिश थी।

हमारी लाइब्रेरी तक्षशिला, धर्मशिला को जलाया गया, कुचला गया लेकिन इसके बावजूद हमारे संस्कार जिंदा है। क्योंकि हम जो भी करते है, वैदिक रीति रिवाज से होता है। यहां तक कि तिलक भी मंत्र बोलकर लगाते है। उन्होंने कहा कि अब वक्त बदल गया है। आज देश का नेतृत्व ही देश को आगे बढ़ा रहा है। जब देश का प्रधानमंत्री 11 दिन का उपवास करके श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा करता है तो निश्चय ही देश नई दिशा की ओर निकल पड़ता है। इसी वजह से आज पूरा विश्व भारत की ओर नई उम्मीद से देख रहा है। जो हमारे लिए गौरव की क्षण है। आध्यात्म , विज्ञान का अद्भुत मिलन है। लक्ष्मण आचार्य ने बताया कि हमारे पिताजी ने 40 वर्षों कल्पवास किया अब हमारे बड़े भाई राम प्रताप अभी भी कल्पवास कर रहे है। कार्यक्रम में मौजूद विशिष्ट अतिथि बटुक महाराज ने कहा कि प्रयागराज पवित्र भूमि है। तुलसीदास जी ने रामचरित मानस में जिक्र किया है कि ₹को कहि सकय प्रयाग प्रभाऊ। जो इस बात का प्रमाण है कि प्रयाग की पावन भूमि का कितना महत्व है, उस पर कल्पवास में आस्था की को अलख जग रही है, वह अपने आप में अद्वितीय है। माघ मेला क्षेत्र में आज की युवा पीढ़ी जिस तरह से अपने माता, पिता, दादा दादी से इस तपस्या के बारे में जान समझ रहे है, वो भी एक बदलाव की बयार है। यही युवा माघ महात्म को आगे बढ़ाएंगे। महापौर गणेश केशरवानी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान पार्षद अनिल यादव, मुकेश लारा, राजू पाठक, गिरिजेश मिश्रा, अमर सिंह, मनोज मिश्रा, आयुष अग्रहरि रामबाबू केसरवानी, मोहित केसरवानी आदि लोग मौजूद रहे।

मांडा सीएचसी में स्वास्थ मेला आयोजित, 485 मरीजों ने कराया रजिस्ट्रेशन

अखंड भारत संदेश

सांसद प्रतिनिधि ने फीता काट कर मेले किया शुभारंभ

मांडा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मांडा में रविवार को ब्लॉक स्तरीय आयुष्मान भवः के अंतर्गत विशाल मेले का आयोजन किया गया। वही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यमुनापार सांसद प्रतिनिधि सन्त प्रसाद पांडेय ने फीता काट कर मेले का शुभारंभ और पौध रोपण कर हर्बल पार्क की स्थापना किया। जिसमें 485 मरीजों का रजिस्ट्रेशन कर स्वास्थ्य परीक्षण जांच व उपचार किया गया मेले में डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, दियो ग्लोबिन ब्लड ग्रुप की जांच की गई एवं सभी मरीजों को निःशुल्क दवा का वितरण किया गया। सुबह 10 बजे से लेकर 4 बजे तक स्वास्थ्य मेले में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे रोगियों ने उपस्थित डॉक्टरों से अपना परीक्षण करवा कर दवाई प्राप्त की। वही जिले से आई डॉक्टरों की टीम में डॉ कौशल, डॉ दिष्या कटियार, डॉ विकास दुबे, डॉ हर्ष, डॉ अजीत यादव, डॉ मृत्युंजय, डॉ शैलजा विज्ञानी मिश्रा, डॉ अनिल यादव, व स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी श्याम सिंह सहित मेले में आंगनबाड़ी के साथ आशा बहू फार्मासिस्ट उपस्थिति रही। कार्यक्रम मे आए हुए अतिथियों का सीएचसी अधीक्षक डॉ अजीत सिंह ने आभार व्यक्त किया। मेले में राजकुमार, शालिनी राय, सतीश पांडेय,एस पी गौड़, श्री कांत पांडेय, सीडीपीओ मांडा रमेश कुमार बाल विकास पुष्टाहार सुपरवाइजर सविता गुप्ता, मांडा प्रधान असद अली,मांडवी शरण द्विवेदी, रामबली मौर्य, राम कुशवाहा, इंद्रमणि कुशवाहा आदि लोग मौजूद रहे।

राम की पैड़ी मंच पर साईं बंधुओ ने बिखेरा जलवा

प्रयागराज। प्रयागराज के दो नन्हे कलाकारों ने अयोध्या राम मंदिर परिसर में अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी रामभक्तो को आकर्षित किया। साई बंधुओ से देश में प्रसिद्ध अशित और आरव साई के सुंदर गायन से पूरी राम नगरी गूंज उठी। उत्तर प्रदेश संस्कृत विभाग के द्वारा संगीत नाटक अकादमी ने प्रोग्राम आयोजित किया और दोनो को प्रयागराज से अयोध्या आने और प्रस्तुति देने का निमंत्रण दिया था। 12 साल के अशित और 6 साल के आरव साई ने तकरीबन 45 मिनट तक मंच से कई धार्मिक और राममय गीत गाए जिसको सुनकर भक्त झूम उठे।खास बात यह है कि प्रयागराज के साइ बंधु पहले ऐसे बाल कलाकार है जिनको प्रस्तुति देने के लिए राम की पैड़ी मंच पर मौका मिला है। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित से हुई , इस दौरान आयोजको ने साई बंधुओ से दीप प्रज्वलित करवा कर कार्यक्रम की शुरआत की।

पीएमओ को भेजा छात्र की कथित पिटाई से संबंधित वायरल ऑडियो

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अंतःवासी की ओर से खुद की पिटाई के आरोपों के संबंध में ऑडियो वायरल करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। अब इस मामले की शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय और डीजीपी को भेजी गई है। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने शिकायत करते हुए एफआईआर और जांच कर कार्रवाई की मांग उठाई है। गौरतलब है कि दो दिन पहले यह मामला सामने आया था। एसएसएल हॉस्टल के अंतःवासी अभिषेक गुप्ता ने खुद को प्रॉक्टर कार्यालय में बुलाकर प्रॉक्टोरियल बोर्ड के चार सदस्यों पर बंधक बनाकर पिटाई, गालीगलौज, धमकाने का आरोप लगाया था। उसने एक ऑडियो भी वायरल किया जिसके संबंध में उसका दावा है कि यह ऑडियो प्रॉक्टर कार्यालय में हुई उसी घटना का है। उसके मोबाइल से ही यह ऑडियो रिकॉर्ड हुआ।इस संबंध में पीएमओ को भेजी शिकायत में पूर्व आईपीएस ने आरोप लगाया है कि विवि के प्रॉक्टर और शिक्षकों पर छात्र को बंधक बनाने व खुलेआम गालियां देने के आरोप बेहद गंभीर हैं। ऐसे में ऑडियो की जांच कराकर उचित कार्रवाई की जाए। कुछ ऐसी ही मांग डीजीपी को भेजे गए शिकायती पत्र में भी की गई है। उधर इस संबंध में आरोप लगाने वाले छात्र की ओर से कर्नलगंज थाने में दी गई शिकायत पर अभी कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। एसीपी कर्नलगंज राजीव कुमार यादव का कहना है कि शिकायती पत्र के संबंध में जांच पड़ताल की जा रही है। चूंकि अलग-अलग टीके उपलब्ध हैं, इसलिए अवधि अलग-अलग हो सकती है। लेकिन आम तौर पर कहें तो एचपीवी वैक्सीन 10 साल तक सुरक्षा प्रदान कर सकती है। यदि आप टीका लगवाते हैं तो गर्भाशय ग्रीवा, योनि और वुल्वर कैंसर का खतरा कम हो जाएगा, फिर भी नियमित स्त्री रोग संबंधी परीक्षाओं और उचित निवारक देखभाल के लिए अपने स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास जाना अभी भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यदि आप हल्के या गंभीर रूप से बीमार हैं, तो सर्वाइकल कैंसर के टीके से बचना सबसे अच्छा है। गर्भवती महिलाओं को भी टीकाकरण से बचना चाहिए। यदि आपको पहले से ही एचपीवी संक्रमण या एचपीवी-जनित बीमारी है तो सर्वाइकल कैंसर का टीका उपचार के रूप मेंकाम नहीं करता है, हालांकि एचपीवी के अन्य प्रकारों से बचाने के लिए इसे अभी भी अनुशंसित किया जा सकता है।

रक्षक महादेव मंदिर जंघई स्टेशन से घंटा एवं हंडा चोरी

जंघई। जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया मे आरपीएफ बैरक के बगल स्थित रक्षक महादेव मंदिर से पीतल का घंटा और हंडा चोरी होने से भक्तों मे आक्रोश व्याप्त है। रविवार सुबह मंदिर के पुजारी देवराज तिवारी जब पूजा करने गये तब उन्हें चोरी की जानकारी हुई उन्होंने इसकी जानकारी आरपीएफ जीआरपी व पुलिस को दी।आरपीएफ इंस्पेक्टर जंघई अशोक कुमार का कहना है की चोरी की जानकारी उन्हे नही है पता करके मामले की जांच की जायेगी और चोरी करने वाले चोरों एवं आसामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सेहन दरवाजे से रास्ता ले जाने का विरोध करने पर दम्पत्ति को मारा पीटा गया

आधा दर्जन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। सेहन दरवाजे से रास्ता ले जाने से मना करने पर विपक्षियों ने दम्पत्ति को मार पीट कर लहुलुहान कर दिया। पुलिस ने आधा दर्जन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम बोडीपुर धरौता निवासी इन्द्र बहादुर पटेल पुत्र सूर्य बलि पटेल का आरोप है कि उनके विपक्षी एक जुट होकर उसके सेहन दरवाजे पर से रास्ता ले जा रहे थे।जब उसने मना किया तो उसे और उसकी पत्नी को मार पीट कर लहुलुहान कर दिया गया। इन्द्र बहादुर पटेल ने मऊआइमा थाने में राकेश, दरोगा, कप्तान, रमेश, भरथरही, शीतलहरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

पहले युवा नौकरियां ढूंढने जाते थे, आज कंपनिया युवाओं की तलाश में गांव आ रहीं : अनु मिश्रा

गौहनिया स्थित डीडीयू जीकेवाई ट्रेनिंग सेंटर पर हुआ रोजगार मेले का आयोजन, 163 युवाओं को मिला रोजगार

नैनी। नैनी कौंधियारा उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन प्रयागराज की ओर से चार फरवरी को विकास खंड कौंधियारा अंतर्गत गौहानिया में सुनहरा भविष्य विकास समिति की ओर से संचालित डीडीयू जीकेआई ट्रेनिंग सेंटर परिसर में रोजगार मेले का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख कौंधियारा श्रीमती अनु मिश्रा रही। उन्होंने 63 युवक युवतियों को नियुक्ति पत्र देकर उन्हें बधाई दी। इस रोजगार मेले में कुल 163 लोगों को विभिन्न कंपनियों ने सेलेक्ट किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। ब्लाक प्रमुख अनु मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि आज समय बदल गया है। कल तक हमारे गांव के युवा बाहर नौकरियां ढूंढने जाते थे, आज कंपनिया नौकरियां देने के लिए यहां चलकर आई है। ये बदलते भारत की तस्वीर है। उन्होंने ग्रामीण युवाओं और खासकर ग्रामीण लड़कियों को जिस तरह से रोजगार के लिए माता पिता एवम परिवार उत्साहित कर रहा है, वो काबिले तारीफ है। उन्होंने रोजगार मेले में प्रतिभाग करने वाले सभी युवक युवतियों को शुभकामनाएं दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी सुभाष सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत और आभार जताया। विशिष्ट अतिथि कमलेश मिश्रा ने कहा की रोजगार मेले का आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को अच्छे अवसर प्रदान करने का है। इस दौरान शांति विलास मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड, श्रीराम मैनपावर, इनसाइट गोपाल मैनपावर सर्विस, भारतीय जीवन बीमा निगम, फ्लिपकार्ट, लावा, एप्पल मोबाइल, आरोहण फाइनेंस ग्लोबल लिमिटेड, एमटीटीसी लोहिया कॉर्प लिमिटेड, कानपुर समेत एक दर्जन से ज्यादा कंपनियों के एचआर टीम ने इंटरव्यू लिया और नियुक्ति पत्र दिया। इस दौरान करीब 250 युवक युवतियों ने रोजगार मेले में सहभागिता की। इस दौरान सुनहरा भविष्य विकास समिति के प्रोजेक्ट हेड प्रवीण द्विवेदी, सेंटर मैनेजर सूर्य प्रकाश त्रिपाठी, प्लेसमेंट आफिसर शिवांशु तिवारी, आनंद विश्वकर्मा, दृष्टि एजुकेशन एंड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रोजेक्ट हेड राजीव शर्मा, पंचदेव यादव, राकेश सेन आदि ने बढ़ चढ़कर अपनी सहभागिता निभाई।

माघ मेला क्षेत्र स्थित अक्षयवट मार्ग पर शुरू हुआ क्रियायोग का शिविर

स्वामी श्री योगी सत्यम ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का किया शुभारंभ, शिविर में विदेशी साधकों की रही भीड़

अखंड भारत संदेश

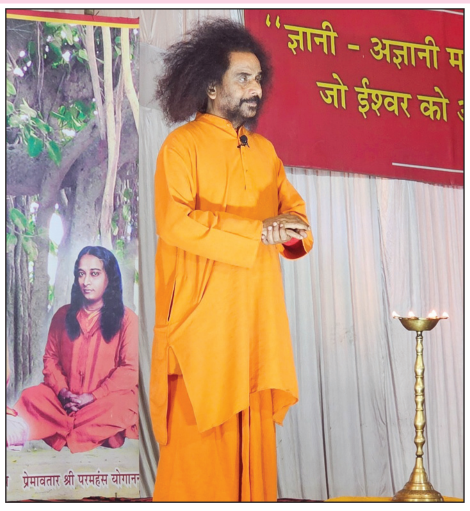

प्रयागराज। रविवार को माघ मेला क्षेत्र के अक्षयवट मार्ग पर स्थित क्रियायोग शिविर का शुभारंभ गुरुजी स्वामी श्री योगी सत्यम जी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। स्वामी जी ने क्रियायोग का शुभारंभ प्रार्थना के साथ किया ,वर्तमान समय आरोही द्वापर युग है। अब पूरी मानवजाति के भाग्य का द्वार खुल गया है। हम प्रयाग के कुम्भ मेला क्षेत्र; तीन पावन नदियों के संगम (गंगा, यमुना व सरस्वती) तट पर बैठे हैं, जहाँ प्रतिवर्ष विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक समूह का आयोजन होता है। आइए! सर्वश्रेष्ठ आध्यात्मिक राष्ट्र भारत को एक आदर्श राष्ट्र बनाये जहां किसी को डर- भय का अनुभव न हो। पावन भारत भूमि पर आध्यात्मिक शक्ति युक्त शांति का पूर्ण वातावरण बनाए, जहाँ हथियारों को बनाना, बेचना व खरीदना निंदनीय कार्य हो और सभी की सुरक्षा ईश्वरीय प्रेम से हो। स्वामी जी ने क्रियायोग पर प्रकाश डालते हुए आगे कहा कि मृत्युंजय महावतार बाबाजी ने अपने अति विनम्र और अध्यात्म की उच्चतम अवस्था पर आसीन शिष्य योगवातार लाहिड़ी महाशय को 'क्रियायोग' प्रदान किया। अब ज्ञान का द्वार खुल गया है। क्रियायोग के अभ्यास से एक ही जन्म में मनुष्य अज्ञानता से मुक्त होकर परमसत्य (कैवल्य अवस्था) का दर्शन कर अनुभव करता है कि परब्रह्म स्वयं पूरे ब्रह्मांड के रूप में प्रकाशित हो रहे है। ऐसी स्थिति में स्पष्ट होता है कि मृत्यु व मृत्युलोक का अस्तित्व नहीं है, केवल जीवन, आनंद एवं अमरता का अस्तित्व है। अगर मनुष्य उपरोक्त क्रियायोग सिद्धान्त को हृदय में बैठाकर क्रियायोग अभ्यास करता है तो उसे अनुभव होता है कि कुछ भी असंभव नही है। इस अवसर पर विश्व के सबसे बड़े हाइकोर्ट (माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद) के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश श्री राजेश कुमार जी ने अपने संदेश में क्रियायोग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि क्रियायोग एक पूर्ण विज्ञान है जिसकी शिक्षा को ग्रहण करने पर मनुष्य सभी प्रकार के कष्टों से मुक्त हो जाते है। उन्होंने आगे कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि गुरुदेव स्वामी श्री योगी सत्यम के सानिध्य में क्रियायोग उसी विस्तार हो प्राप्त होगा जैसे श्री परमहंस योगानंद जी द्वारा सम्भव हुआ। इस अवसर पर भारत के अनेक प्रदेशों के साथ साथ कनाडा, अमेरिका, स्विट्जरलैंड, ब्राजील, यूरोप, सिंगापुर, आयरलैंड, इटली, स्कॉटलैंड, नेपाल, यूक्रेन आदि देशो के लोंगो ने भाग लिया।

मौनी अमावस्या पर भीड़ का दबाव अधिक होने पर भीड़ प्रबंधन हेतु आपातकालीन योजनाओं के सम्बन्ध में हुई ब्रीफिंग व पूर्वाभ्यास

प्रयागराज। रिजर्व पुलिस लाइन माघ मेला प्रयागराज में पुलिस उपमहानिरीक्षक/प्रभारी मेला डा. राजीव नारायण मिश्र आईपीएस द्वारा माघ मेला के प्रमुख स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर संगम घाट व सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं/ स्नानार्थियों की भीड़ अत्यधिक हो जाने पर श्रद्धालुओं/ स्नानार्थियों को सकुशल, निर्विघ्न एवं सुरक्षित स्नान कराने के उद्देश्य से भीड़ नियंत्रण हेतु आपातकालीन योजनाओं की सम्पूर्ण व्यवस्था की गई है। आपातकालीन योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स माघ मेला में सर्व-सम्बन्धित की ब्रीफिंग की गई। ब्रीफिंग के दौरान प्रभारी मेला द्वारा सर्व-सम्बन्धित को बताया गया कि माघ मेला में ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों व मेला नियंत्रण कक्ष में नियुक्त पुलिसकर्मियों को आपातकालीन योजनाओं की भली भांति जानकारी होनी चाहिये जिससे श्रद्धालुओ/स्नानार्थियों को आने-जाने व स्नान के दौरान कोई असुविधा न हो तथा आपातकालीन योजनाओं के आवश्यकतानुसार क्रियान्वयन के समय किसी प्रकार की कोई कठिनाई न हो। ब्रीफिंग के पश्चात आज रविवार के दिन भीड़ होने के दृष्टिगत प्रभारी मेला के कुशल नेतृत्व में सभी आपताकालीन योजनाओं का सकुशल पूर्वाभ्यास भी किया गया एवं भीड़ को दृष्टिगत रखते हुये श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो समुचित पुलिस प्रबंध भी किये गये व संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया गया। इस दौरान नोडल पुलिस अधिकारी माघ मेला श्रद्धा नरेंद्र पांडे आईपीएस व मेला में नियुक्त समस्त राजपत्रित अधिकारीगण, थाना प्रभारी/शाखा प्रभारी एवं चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के सौरा नेशनल हाईवे अनमोल ढाबा के संचालक अवधेश नारायण यादव 257 विधानसभा प्रतापपुर के नेतृत्व मे51किलो का माला समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष माननीय नरेश उत्तम पटेल को कार्यकताओं ने अनमोल ढाबा पर माला पहनकर बहुत स्वागत किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष अभय राज सागर, सत्येंद्र यादव, डॉ मंगल सिंह, पुष्पराज यादव, पंकज जांबाज, रत्नेश बीडीसी, जितेंद्र प्रधान, दिनेश यादव, सर्वेश यादव, साधु यादव, नौशाद प्रधान, आज सैकड़ो कार्यकताओं ने 51किलो का माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।

रोजगार मेले में 163 युवाओं को मिला रोजगार

प्रयागराज। रविवार को उ0प्र0 सरकार की महत्वाकांक्षी योजना कौशल विकास मिशन के अंतर्गत दीन दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के तत्वावधान में जनपद प्रयागराज के डी0डी0यू0जे0के0वाई0 सेंटर परिसर, कौंधियारा, प्रयागराज के विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख श्रीमती अनु मिश्रा के द्वारा किया गया। इस मेले में 12 प्रतिष्ठित कम्पनियों द्वारा विभिन्न प्रकार रिक्तियों के सापेक्ष युवाओं का साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया गया है। इस मेले में विकास खण्ड के 265 युवाओं ने प्रतिभाग किया व 163 युवाओं कों विभिन्न कंपनी में चयन किया गया। इस अवसर पर, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक सुभाष सिंह सहित विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियों प्रतिनिधिगण व कौशल प्रशिक्षण केन्द्रों के केन्द्र प्रबन्धक के उपस्थित रहे।

कार व ट्रक में आमने-सामने जोरदार टक्कर, तीन की मौत एक गंभीर

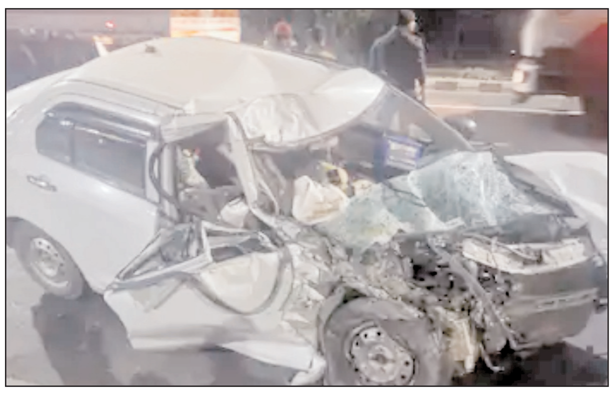

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज के हंडिया थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले बरौत चौकी क्षेत्र के रसार राष्ट्रीय राजमार्ग पर कार और ट्रक में आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई ' दुर्घटना में कार सवार तीन लोग की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया । सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल व्यक्ति को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हंडिया भिजवाते हुए मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । मिली जानकारी के अनुसार बीती देर रात कार सवार प्रयागराज से वाराणसी की तरफ जा रहे थे । कार चालक जैसे ही बरौत के रसार राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंचे थे कि सामने से आ रही तेज रफ्तार में अनियंत्रित ट्रक में कार का आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई । जिसमें मौके पर तीन लोगो की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति बुरी तरह गंभीर रूप से घायल हो गया । मिली जानकारी के अनुसार बीती देर रात कार सवार प्रयागराज से वाराणसी की तरफ जा रहे थे । कार चालक जैसे ही बरौत के रसार राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंचे थे कि सामने से आ रही तेज रफ्तार में अनियंत्रित ट्रक में कार का आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें मौके पर तीन लोगो की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति बुरी तरह गंभीर रूप से घायल हो गया।

हाईवे पर भीषण सड़क हादसा पति की दर्दनाक मौत, पत्नी व दो बच्चे गंभीर रूप से घायल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के जलालपुर अपना ढाबा के पास नेशनल हाईवे पर सड़क हादसे में पति की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं हादसे में पत्नी व दो मासूम बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। हंडिया का रहने वाला मुलायम उर्फ राजू भारती उम्र 32 वर्ष जो हडिया में ही एक किराने की दुकान पर काम कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था।वह अपने ससुराल बगई सराय इनायत में गया हुआ था। हमेशा पति-पत्नी में विवाद रहता था तथा ससुराल वालों से भी विदाई को लेकर कहां सुनी हुई थी। वह अपनी पत्नी रेखा व दो बच्चे आशीष व पंक्ति को लेकर शनिवार देर शाम अपने घर हडिया के लिए आ रहा था। जैसे ही उतराव क्षेत्र के जलालपुर अपना ढाबा के पास पहुंचा ही था कि तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर में जा टकराई जिसमें मौके पर ही राजू उर्फ मुलायम की दर्दनाक मौत हो गई। वही पत्नी रेखा व उसके दोनों बच्चे बेटी पंक्ति व बेटा आशीष गंभीर रूप से घायल हो गए।

कहा था कि जा रहा हूं पूरे परिवार को लड़ा कर मौत को गले लगा लूंगा

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूत्रों की माने तो राजू उर्फ मुलायम शराब के नशे में धुत था। वह ससुराल में कहासुनी भी किया था तथा कहा था कि जा रहा हूं पूरे परिवार को लड़ा कर मौत को गले लगा लूंगा। आखिरकार यह बात सत्य हो गई। मुलायम उर्फ राजू की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

फाइनेंस कंपनी की डायरेक्टर ने मैनेजर के खिलाफ दी तहरीर

मेजा। मेजा थाना क्षेत्र के लखनपुर स्थित आरएसडब्ल्यू फाइनेंस कंपनी की डायरेक्टर स्नेह लता पाण्डेय ने शाखा की मैनेजर पचोखरा,पहाड़ा जेड मिजार्पुर की निवासी वन्दना सिंह पुत्री विजय सिंह व सेक्टर मैनेजर तरका पुर, नई बस्ती - मिजार्पुर निवासी खुशबू कुमार गौड़ पुत्र आद्या प्रसाद गौड़ के खिलाफ मेजा थाना में तहरीर दी है। उन्होंने बताया की उक्त दोनों मिलकर कार्यालय में मौजूद सारा सामान रविवार को सुबह करीब 10 बजे छ से सात अज्ञात लोगों के साथ उठा ले गए। कार्यालय स्टाफ लखनपुर निवासी अभय पांडेय द्वारा कार्यालय का सामान निकालते व मैजिक गाड़ी में रखते की वीडियो सूट किया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। डायरेक्टर ने बताया कि कुछ दिन पूर्व वंदना सिंह को कंपनी से निकाल दिया गया था। जिसके कारण उन्होंने सेक्टर मैनेजर के साथ मिलकर घटना को अंजाम देते हुए सामान उठा ले गए। थानाध्यक्ष राजेश उपाध्याय ने कहा कि मामले की जांच चौकी प्रभारी मेजारोड को सौंप दी है। मामला सही पाए जाने पर केस दर्ज किया जाएगा।

समय पर स्क्रीनिंग से कैंसर का इलाज सम्भव : प्रो. जीएस तोमर

माघ मेला में आयुर्वेद शिविर में कैंसर जागरूकता संगोष्ठी संपन्न

झूंसी। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर माघ मेला के शिविर में आयुर्वेद विभाग प्रयागराज एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त बैनर तले रविवार को कैंसर जागरूकता एवं स्वास्थ्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन अपर मेला अधिकारी डॉ विवेक चतुर्वेदी एवं जगतगुरु वैदेही वल्लभाचार्य ने किया। शिविर में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ जीएस तोमर ने कहा हर दो मिनट में एक कैंसर मरीज की मौत हो रही है, जो अत्यंत दुखद है। कैंसर से होने वाली अधिकतर मौतें तंबाकू और तंबाकू जनित पदार्थों के सेवन से है। ऐसे में स्वस्थ जीवन शैली अपनाकर कैंसर से बचा जा सकता हैं। जागरूकता एवं बचाव ही कैंसर का बेहतर इलाज है। तंबाकू युक्त गुटका के विकल्प में डॉ तोमर ने धनिया, सौंफ, काली मिर्च, दालचीनी, छोटी व बड़ी इलायची आदि औषधियों को मिलाकर तैयार हर्बल गुटका प्रयोग करने के लिए कहा जो सेहत के लिए फायदेमंद भी है।

रीजनल कैंसर सेन्टर, कमला नेहरू मेमोरियल हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ सपन बी श्रीवास्तव ने कहा धूम्रपान व तंबाकू के अधिक सेवन से मुंह का कैंसर अधिक हो रहा है। युवावर्ग इससे अधिक पीड़ित है। दूषित पेयजल व खाद्य सामग्रियों के सेवन से पित्त की थैली में एकत्रित हो रहा पत्थर कैंसर का कारण बन रहा है। शरीर में कहीं दर्द हो तो जांच जरूर कराएं, दर्द कैंसर का शुरूआती लक्षण भी हो सकता है। वरिष्ठ सर्जन डॉ राजकिशोर अग्रवाल ने कहा सर्जरी से कैंसर ठीक होने की संभावनाएं अधिक रहती है?। डॉ शांति चौधरी ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भाशय ग्रीवा में अधिक कैंसर होने की वजह लड़कियों की कम उम्र में शादी होना है। वहीं शहरी क्षेत्रों में बच्चों को पर्याप्त स्तनपान नहीं कराने से स्तन कैंसर में वृद्धि देखने को मिली है। डॉ अवनीश पांडेय ने कहा कैंसर इंसान की अज्ञानता व लापरवाही से भयावह रूप धारण कर रहा है। अध्यक्षता कर रहे क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ शारदा प्रसाद ने कहा कैंसर जैसी भयावह बीमारी के नियंत्रण का जागरूकता ही महत्वपूर्ण उपाय है। डॉ भरत नायक, डॉ एमडी दुबे, डॉ अलका रावत, डॉ जय प्रकाश, डॉ ज्योतिर्मय सिंह, डॉ अशोक, डॉ राजेंद्र कुमार, कौशल किशोर, डॉ राजतिलक तिवारी, डॉ

राज्यपाल का आगमन आज

प्रयागराज। राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल अपराहन 3:50 बजे प्रयागराज आएंगी। इसके पश्चात राज्यपाल महोदया अपरान्ह 4:15 बजे उच्च न्यायालय इलाहाबाद में आयोजित मुख्य न्यायाधीश इलाहाबाद के शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित होंगी। राज्यपाल महोदया सायं 5:55 बजे प्रयागराज से लखनऊ के लिए प्रस्थान करेगी।

ईशा पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव आज

फूलपुर। बाबूगंज क्षेत्र के ईशा पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव सोमवार को मनाया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फूलपुर विधायक प्रवीण पटेल होंगे। विद्यालय के प्रबंधक विजय पाल ने बताया की छात्र वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेगे। वार्षिकोत्सव में क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ ही विद्यालय के अभिवावक उपस्थित रहेंगे।

छात्रा बोली.. असिस्टेंट प्रोफेसर ने किया यौन उत्पीड़न

इलाहाबाद विश्वविद्यालय की छात्रा ने रोते हुए वायरल किया वीडियो

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्व विद्यालय की एक छात्रा ने प्राचीन इतिहास विभाग के एक असिस्टेंट प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। छात्रा ने इसकी शिकायत विभागाध्यक्ष व कर्नलगंज थाने में भी की है। उसने आरोप लगाया है कि असिस्टेंट प्रोफेसर कभी धमकी देकर तो कभी खुद को कैंसर पीड़ित होने की बात कहकर इमोनशल ब्लैकमेल कर रहे। उन्होंने जबरन संबंध भी बनाया। वहीं जांच के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कमेटी बनाई गई है। छात्रा ने रोते हुए अपना वीडियो वॉट्सऐप ग्रुपों में वायरल कर दिया है। 31 सेकेंड के वीडियो में वह रोते हुए अपना दर्द बयां कर रही है। कर्नलगंज थाना प्रभारी प्रदीप सिंह का कहना है, छात्रा की शिकायत मिली है। इस संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से भी जांच कमेटी बनाई गई है। पुलिस भी इस मामले में छानबीन कर रही है। हालांकि अभी तक मुकदमा नहीं दर्ज किया गया है। पीड़ित छात्रा ने विभागाध्यक्ष को पत्र लिखकर शिकायत की है। छात्रा ने बताया,वह बीए तृतीय वर्ष की छात्रा है। असिस्टेंट प्रोफेसर ने मेरा यौन उत्पीड़न किया है। उन्होंने मुझे प्रपोज किया लेकिन मैंने साफ मना कर दिया। इसके बावजूद वह मुझे मैसेज व कॉल करते रहे। नंबर ब्लॉक करने के बाद उसने दूसरे नंबर से कॉल करना शुरू कर दिया। उसने खुद को कैंसर पीड़ित होने की बात कहते हुए मुझे इमोशनल ब्लैकमेल करने लगे। 15 जनवरी को उन्होंने मुझे मिलने के लिए लवकुश पार्क बुलाया। जब मैंने मना किया तो प्रोफेसर ने सुसाइड करने की बात कही। भयभीत होकर मैं उस पार्क पर गई तो उसने कहा कि इस तरह सार्वजनिक स्थल पर शिक्षक और छात्रा का मिलना ठीक नहीं, यह कहते वह अपने रूम पर ले गया और वहां उसने जबरन शारीरिक संबंध बनाया। मेरी तबीयत बिगड़ गई और रातभर मैं उसके कमरे पर ही रही। सुबह उसके रूम से जाते समय उसने फिर धमकी देते हुए यह किसी से भी बताने से मना किया। लगातार वह मुझे परेशान कर रहा है।

असिस्टेंट प्रोफेसर ने कहा, तीन लड़के मिलकर कर रहे हैं साजिश

बातचीत के दौरान असिस्टेंट प्रोफेसर ने कहा, यह पूरी तरह से फेक है। जो छात्रा आरोप लगा रही है। वह मेरे क्लॉस की है। उसके जीजा ने उसके साथ रेप किया था, उसके घर वालों को इसकी जानकारी नहीं है। यह बात उसने मुझे बताई थी। जिसके साक्ष्य मेरे पास मौजूद हैं। हमने सभी साक्ष्य पुलिस को भी सौंप दिए हैं। इसमें तीन लड़के हैं। जो साजिश के तहत यह सब करा रहे हैं। मुझे बदनाम की साजिश की गई।

मामले को लेकर अमिताभ ठाकुर ने की एफआईआर दर्ज करने की मांग

आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने छात्रा द्वारा प्राचीन इतिहास के सहायक प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न व दुष्कर्म करने के आरोपों के संबंध मे तत्काल एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की है। डीजीपी को भेजी गई शिकायत में उन्होंने छात्रा की एक वीडियो रिकॉर्डिंग तथा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत की है। इसमें उस छात्रा ने सहायक प्रोफेसर पर लगातार यौन उत्पीड़न करने की बात कही है। अमिताभ ठाकुर ने कहा है कि यूनिवर्सिटी के आचार्य पर इस प्रकार के आरोप अत्यंत ही गंभीर है। यदि 48 घंटे में एफआईआर तथा समुचित कार्रवाई नहीं होती है तो आजाद अधिकार सेना द्वारा पुलिस कमिश्नर प्रयागराज का घेराव किया जाएगा।

आंगावड़ी कार्य कत्रियों ने सीडीपीओ उरुवा पर लगाया धन हड़पने का आरोप

मेजा। आंगनवाड़ी कार्य कत्रियों द्वारा मैटेरियल खरीदने के नाम पर सीडीपीओ उरुवा पर धोखाधड़ी के तहत धन हड़पने का आरोप लगाए जाने का मामला प्रकाश में आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शासन द्वारा रजिस्टर चार्ट टायलेट क्लीनर तथा ब्रश खरीदने हेतु विकास खंड उरुवा के रामनगर स्थित बाल विकास कार्यालय में कार्यरत सभी आंगनवाड़ी कार्य कात्रियों के खाते में 13 सौ रुपया भेजा गया था। बताते हैं कि सीडीपीओ उरुवा अपनी मौजूदगी में सभी कार्य कत्रियों से उक्त धनराशि जमा कराकर उन्हें सस्ता और घटिया किस्म का सामान खरीद कर दे दिया है जिसको लेकर आंगनवाड़ी कार्य कत्रियों में काफी आक्रोश कायम है। आंगनवाड़ी कार्य कत्रियों का आरोप है कि सीडीपीओ उरुवा उक्त सामान खरीदने के नाम पर उनके साथ धोखाधड़ी किया है जिसकी उच्चाधिकारियों द्वारा जांच कर कार्यवाही किया जाना आवश्यक है।

हाईकोर्ट ने पूछा - माघ मेला में किसकी इजाजत से लगे हैं खतरनाक झूले, क्या है मापदंड

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में लगाए गए खतरनाक झूलों का स्वतः संज्ञान लेते हुए मेला अधिकारी को पांच फरवरी को कोर्ट में तलब किया है। कोर्ट ने पूछा है कि मेले में मानव जीवन के लिए खतरनाक बड़े-बड़े झूले किसकी इजाजत से लगाए जाते हैं। इन्हें लगाने की अनुमति देने से पहले क्या मापदंड अपनाए जाते हैं। न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव की एकल पीठ ने बरेली के झूला संचालक नसीर अली की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया है। बरेली के भोजीपुरा थाना क्षेत्र में झूले से हुई मौत के मामले की कोर्ट सुनवाई कर रही है। वादी के भाई शिवकुमार की मौत ब्रेक डांस झूले में लगे नंगे विद्युत तार के चपेट में आने से हुई थी। वादी ने झूला संचालक नासिर अली को भाई की मौत के लिए जिम्मेदार बताते हुए गैरइरादतन हत्या की एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने झूला संचालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जिला जज की अदालत से जमानत खारिज होने के बाद नसीर ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

मानव जीवन के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं

जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने प्रयागराज के माघ मेले में लगे हुए खतरनाक झूलों का संज्ञान ले लिया। कोर्ट ने कहा कि अक्सर मेले के आयोजन में बड़े-बड़े और ब्रेकडांस जैसे झूलों पर लोगों के बेहोश होने और मृत्यु होने तक की खबरें सामने आती हैं। कोर्ट ने हैरानी जताते हुए कहा कि अगर इस तरह के झूले मानव जीवन के लिए खतरनाक हैं तो इन्हें मेले में लगाने की इजाजत कैसे दे दी जाती है। इसी कड़ी में कोर्ट ने प्रयागराज के माघ मेला अधिकारी को सोमवार को कोर्ट में इस जानकारी के साथ तलब किया है कि यहां मानव जीवन के लिए खतरनाक ऐसे झूलों को लगाने की इजाजत किस मापदंड के आधार पर दी गई है।

डा0 संजय कपूर सहित अन्य पदाधिकारियों ने ली शपथ

डा0 संजय कपूर दवाखाना पर हुआ पदग्रहण समारोह

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शहर के कपूर चैराहा स्थित डा0 संजय कपूर दवाखाना पर डा0 भोलानाथ कपूर हाल में लॉज पचैरी-214 का पदग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान डा0 संजय कपूर ने अध्यक्ष पद का पदभार ग्रहण करते हुए अपने दायित्वों का बखूबी निर्वहन करने का भरोसा दिलाया।

इसके अलावा निवर्तमान अध्यक्ष सुरेन्द्र चावला, सीनियर वार्डेन भिवाधार पाण्डेय, जूनियर वार्डेन अरविन्द कुमार सिंह, चैपलिन गिरीश शास्त्री, सेकेटरी डा0 घनश्याम अग्रवाल, सीनियर डीकेन ज्ञान प्रकाश शुक्ला, गीता बेयरर इंद्र प्रकाश मिश्र, ग्रंथ बेयरर पीयूष पाण्डेय, असिसटेंट सेकेटरी कृष्ण प्रताप सिंह, इनर गार्ड संतोष नारायण तिवारी, टायलर बसंत कुमार त्रिपाठी ने भी अपना-अपना पदभार ग्रहण किया। इस दौरान संजीव कुमार तिवारी ने सभी पदाधिकारियों को बधाई दी। बता दें कि यह संस्था डा0 संजय कपूर के परिजनों की ओर से बहुत पहले से चली आ रही है, जिसके संचालन में डा0 संजय कपूर प्रमुख रुप से सक्रिय रहते हैं। यह देखते हुए उन्हें अध्यक्ष का कार्यभार सौंपा गया है।

पदग्रहण समारोह में शपथ लेते नवनिर्वाचित पदाधिकारीगण।

अज्ञात के खिलाफ बाइक चोरी का केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। अज्ञात चोर ने कोतवाली की नाक के नीचे पीडित की बाइक उडा ली। तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बाइक चोरी का केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के सराय नरायन सिंह निवासी अवधेश सिंह के पुत्र रामसिंह ने सत्ताईस दिसंबर को अपनी बाइक तहसील के बगल डाक बंगला गेट के समीप खड़ी कर रखी थी। देर शाम उसकी बाइक अज्ञात चोर उड़ा ले गये। तहसील व कोतवाली के समीप बाइक चोरी की घटना को लेकर लोगों में पुलिस के प्रति नाराजगी भी देखी जा रही है।

खेल से होता है बच्चों में शारीरिक विकास: मो0 इमरान खान

रिवरडेल पब्लिक स्कूल में आयोजित हुई खेलकूद प्रतियोगिता

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नया माल गोदाम रोड स्थित रिवरडेल पब्लिक स्कूल में शनिवार को खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने अपनी-अपनी कला का हुनर दिखाया और लोगों की तालियां बंटोरी।

इस दौरान क्रिकेट प्रतियोगिता का भी आयोजन स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया गया जिसमें अरहान की टीम ने अरिहन्त की टीम को फाइनल में हराया। इस दौरान स्कूल परिसर में कई खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें रिले रेस में क्लास-नर्सरी में शौर्य पाल अव्वल, स्पून रेस में क्लास-3 में जैनुल अव्वल, बुक रेस में क्लास-1 में असद अव्वल, टॉफी रेस में क्लास-केजी में इजना, खो-खो रेस में गरिमा ग्रुप की टीम जीती। इस मौके पर प्रबंधक मो0 इमरान खान ने बच्चों का उत्साहवर्द्धन करते हुए उन्हें बधाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि खेल से शारीरिक विकास होता है। हमें पढ़ाई के साथ-साथ खेल को भी समय-समय पर खेलते रहना चाहिये। इस दौरान सह प्रबंधिका सादिया खान ने सभी के प्रति आभार जताया। इस मौके पर प्रधानाचार्या सुधा पाण्डेय, शिक्षिका पूनम पाण्डेय, सानिया, शालू, सारा, हुबैदा, सबा, फरहाना, रुचि, महिमा, फातिमा, तूबा, शबनम, सतीश पाण्डेय, ज्ञानेश श्रीवास्तव, अनवर हुसैन, श्रीराम मिश्रा समेत कई लोग मौजूद रहे।

खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती नन्ही-मुन्नी छात्राएं।

लूट के तीन अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, मोटरसाइकिल बरामद

छह हजार रुपया, 20 अदद देशी शराब पौवा, मोबाइल फोन बरामद

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। थाना क्षेत्र सांगीपुर के देउम देशी शराब ठेका के सेल्समैन से 17 जनवरी 2024 को मोटर साइकिल सवार अज्ञात बदमाशों द्वारा लूट करने के प्रकरण में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना सांगीपुर में अभियोग पंजीकृत किया गया था।

पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा निरंतर अभियान चलाकर अपराध/अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना सांगीपुर के उ0नि0 अजय कुमार अंचल मय हमराह व प्रभारी स्वाट टीम उ0नि0 सुनील कुमार यादव मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र के दीवानगंज चैराहा के पास से थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 09/24 धारा 392, 506 भादवि से सम्बन्धित दो अभियुक्तों सचिन गौतम पुत्र सुखराम गौतम नि0ग्राम भाटन का पुरवा शाहबरी थाना सांगीपुर जनपद प्रतापगढ़ व प्रदीप यादव पुत्र राकेश यादव नि0ग्राम गोवर्धनपुर थाना सांगीपुर जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों के कब्जे से अभियोग से सम्बन्धित दो लूट का 6590 रुपया, 20 अदद देशी शराब पौवा, दो अदद मोबाइल फोन, व सीसीटीवी कैमरा का डीवीआर व घटना में प्रयुक्त दो मोटर साइकिल (जिसमें एक मोटर साइकिल चोरी की है) बरामद किया गया। उक्त बरामदगी के आधार पर अभियोग उपरोक्त में धारा 411 भादवि की बढ़ोत्तरी की गई व मोटर साइकिल को धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि 17 जनवरी 2024 को हम लोगों ने तथा मेरे अन्य दो साथियों ने मिलकर देउम में शराब के देशी ठेका से बरामद मोटर साइकिलों से ठेका के सेल्समैन से शराब, रुपया व डीबीआर लूट किये थे।

पुलिस टीम में उ0नि0 अजय कुमार अंचल मय हमराह उ0नि0 मुसाफिर यादव, उ0नि0 राजेश कुमार शुक्ला, मु0आरक्षी लालबाबू शुक्ला, आरक्षी रामनिवास यादव, आरक्षी प्रदीप कुशवाहा, आरक्षी अमित यादव, आरक्षी रजनेश कुमार, आरक्षी वीरेन्द्र यादव थाना सांगीपुर जनपद प्रतापगढ शामिल रहे। स्वाट टीम में प्रभारी स्वाट टीम उ0नि0 सुनील कुमार यादव मय हमराह आरक्षी श्रीराम सिंह, आरक्षी पंकज दुबे, आरक्षी जागीर सिंह शामिल रहे। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्री दुर्गेश कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना अन्तू के प्रभारी निरीक्षक श्री विनोद कुमार यादव मय हमराह व0उ0नि0 रविन्द्र कुमार यादव व उ0नि0 राकेश कुमार चैरसिया द्वारा देखभाल क्षेत्र चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 31/24 धारा 394 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्त विवेक शुक्ला पुत्र भूप नारायण शुक्ला निवासी ग्राम बल्दी मिश्र का पुरवा रेहुआ लालगंज थाना उदयपुर जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया गया। शेष अभियुक्तों को चिन्हित कर लिया गया है। अभियुक्त के कब्जे से अभियोग से सम्बन्धित लूट का 3600 रुपया व 01 अवैध तमन्चा 315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया।

हत्या के प्रयास के अभियोग में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में जनपद के थाना लीलापुर के उ0नि0 शंहशाह खान मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित वारण्टी अभियुक्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना लीलापुर के मु0अ0सं0 47/2024 धारा 147, 148, 323, 504, 506, 307 भादवि में वांछित अभियुक्त आबाद अली पुत्र शमीउल्ला निवासी ग्राम फुलपुर थाना लीलापुर जनपद प्रतापगढ़ को लीलापुर तिहाहे से गिरफ्तार किया गया।

मंडी बनकर तैयार लेकिन राजनीति में उलझी हुई है मंडी

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। नगर पंचायत में पट्टी में क्षेत्र के आसपास के किसानो की सुविधा के लिए बनाई गई मंडी लगभग बनकर तैयार हो चुकी है लेकिन मंडी राजनीतिक शिकार हो चुकी है। पट्टी नगर ढकवा मोड बीबीपुर में नहर पुलिया के बगल 5 करोड़ की लागत से मंडी बनने के लिए किसानों की 32 बीघा की भूमि का अधिग्रहण किया गया है जिसकी बाउंड्री तथा गेट बन कर तैयार हो चुका है लेकिन राजनीति के कारण मंडी का शुभारंभ अभी तक नहीं हो सका है। सन 2015 में समाजवादी पार्टी की सरकार में सपा विधायक राम सिंह ने यह कवायद किया था लोगों को लगा था की मंडी का निर्माण हो जाने से किसानों को सहूलियत मिलेगी लेकिन 8 साल बीत जाने के बाद भी अभी तक मंडी का कार्य पूरा हो जाने के बावजूद भी लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। पट्टी में बन रहे मंडी में 32 बीघा जमीन भी किसानों से लिया गया था उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा मंडी का शिलान्यास भी करवाया जाना था लेकिन समय के साथ मंडी बनने का सपना दूर ही होता दिखाई दे रहा है।

इंटरनेशनल डायरेक्टर के लिए रोशनलाल उमरवैश्य का नाम प्रस्तावित

एलायंस क्लब इंटरनेशनल प्रतापगढ़ की कैबिनेट बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एलायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्टिक्ट 114 की एक बैठक डिस्टिक्ट गवर्नर एलाई की अध्यक्षता में प्रतापगढ़ सिटी में एक बजे संपन्न हुई। इस कैबिनेट बैठक में डिस्टिक्ट 114 द्वारा एलाई रोशनलाल उमरवैश्य को इंटरनेशनल डायरेक्टर 2024-25 के लिए एलाई डॉ0 विनय कुमार श्रीवास्तव पूर्व नेशनल जॉइंट ट्रेजरर द्वारा नाम प्रस्तावित किया गया।

एलाई राजेश सिंह इंटरनेशनल कमेटी चेयरमैन 2023-24 द्वारा उनके नाम का समर्थन किया गया। द्वितीय समर्थन एलाई डॉक्टर शाहिदा वॉइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रथम द्वारा किया गया। इस कैबिनेट मीटिंग में सभी उपस्थित सम्मानित पदाधिकारीयो के द्वारा इस प्रस्ताव को सहर्ष स्वीकार करते हुए अपनी-अपनी सहमति एवं रोशनलाल उमरवैश्य को हार्दिक बधाई प्रदान किया गया।

उपस्थित सभी पदाधिकारीयो ने रोशनलाल उमरवैश्य का माल्यार्पण कर शुभकामनाएं दी। साथ ही साथ एनुअल इंटरनेशनल अधिवेशन वर्ष 2023-24 ओजस के लिए कानपुर एवं लखनऊ के लिए अधिक से अधिक संख्या में दोनों जगह सहभागिता प्रदान करने की बात तय की गई। अंत में एक बार रोशनलाल उमरवैश्य ने सभी पदाधिकारीयो का आभार व्यक्त किया और कहा कि सभी पदाधिकारी इंटरनेशनल के निदेर्शों का शत प्रतिशत पालन कर जिले में एलायंस क्लब का गौरव बढ़ाने में अपनी अहम भूमिका निभाए। इस अवसर पर विनय कुमार श्रीवास्तव, राजेश सिंह, मुकेश मंधानी, विनोद कुमार सिंह, श्री कृष्णा मिश्रा, बृजेश पांडे, डॉक्टर शालिनी, रीता श्रीवास्तव, श्वेता श्रीवास्तव, पूनम गुप्ता, अर्चना खंडेलवाल, सुधा अग्रवाल, रेखा उमरवैश्य, संतोष कुमार, देवानंद, छेदीलाल, सुरेश अग्रवाल, ज्योति खंडेलवाल आदि कैबिनेट की बैठक में पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रोशनलाल उमरवैश्य को सम्मानित करते क्लब के लोग।

एलआईसी द्वारा सम्मानित शिक्षकगण।

शिक्षकों के बताया समाज का आधार स्तम्भ, किया सम्मान

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मानधाता ब्लाक के कटरा गुलाब सिंह बाजार में रविवार को भारतीय जीवन बीमा निगम के द्वारा शिक्षकों एवं समाज में बेहतर कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। एलआईसी के मुख्य शाखा प्रबंधक दीपक चावला, सहायक शाखा प्रबंधक आनंद पांडेय, विकास अधिकारी नफीस सिद्दीकी ने शिक्षकों के कार्यों को अतुलनीय बताया। कहा कि शिक्षक समाज का आधार स्तम्भ है। कुलदीप पुष्पाकर, रावेंद्र सिंह, शिवा सिंह, राकेश वर्मा, अनिल अग्रहरि, संदीप अग्रहरि, मो. फरहीम, वीरेंद्र कुमार यादव, सूरज धुरिया, रोशन समेत शिक्षकों एवं समाज में महिलाओं को सेनेटरी पैड के प्रति जागरूक करने वाले रोहित सिंह को सम्मानित किया। संयोजक कमलेश कुमार वैश्य ने अतिथियों को सम्मानित करते हुए आभार व्यक्त किया। लालजी सिंह, राजू अग्रहरि, कुलदीप यादव, राजकमल, अभिषेक वैश्य आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 09 मार्च को

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार बरनवाल ने बताया है कि उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद के आदेशानुसार 09 मार्च 2024 को पूर्वान्ह 10 बजे से जनपद मुख्यालय के साथ ही साथ समस्त तहसील मुख्यालयों पर राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जायेगी। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेष रूप से आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम वाद, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकायें, पारिवारिक वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), सर्विस में वेतन सम्बन्धित विवाद एवं सेवानिवृत्ति लाभों से सम्बन्धित विवाद, राजस्व वाद, अन्य सिविल वाद (किराया, सुखाधिकार, व्ययादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद), आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित हो सकने वाले समस्त प्रकार के वादों का निस्तारण किया जायेगा। उन्होने वादकारियों से कहा है कि अपने सम्बन्धित न्यायालय में सम्पर्क कर अपने वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु सन्दर्भित कराकर लोक अदालत का लाभ उठाएं।

ओडीओपी स्टालों के बुकिंग कराने हेतु उद्यान विभाग से करें सम्पर्क

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने जनपद के समस्त कृषकों/उद्यमियों को सूचित किया है कि महानिदेशक भारतीय कृषि एवं खाद्य परिषद् के द्वारा उ0प्र0 एग्रोटेक और प्रथम इनोवेटिव किसान पुरस्कार 2024 का आयोजन 22 से 24 फरवरी 2024 को आई0आई0एस0आर0 परिषद् तेलीबाग लखनऊ में किया जा रहा है, जिसमें कृषि एवं विकास निवेश, भोजन डेरी, पोल्ट्री, बागवानी एवं कृषि व्यवसायों के लिए सहयोग के साथ-साथ किसानों के उत्पादों प्रौद्योगिकीयों का प्रर्शन भी किया जायेगा, जिसमें एमएसएमई/ओडीओपी स्टालों के लिए 100 वर्ग फुट के लिए रू0 60000 प्लस जी0एस0टी0 पर बुक किया जायेगा। विशेष जानकारी हेतु कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी, प्रतापगढ़ में किसी भी कार्य दिवस पर सम्पर्क कर पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र में मशरूम, सब्जी एवं बागवानी की दी जाएगी जानकारी

जानकारी लेने के लिये कृषक पांच फरवरी तक उद्यान विभाग में करें सूचित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने जनपद के समस्त कृषकों को सूचित किया है कि दिनांक 11 से 13 फरवरी तक मशरूम उत्पादन की तकनीक एवं 14 से 16 फरवरी 2024 तक सब्जियों की संरक्षित खेती पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र खुशरूबाग प्रयागराज में किया गया है, जनपद के इच्छुक कृषक मशरूम उत्पादन के 02 सामान्य तथा 03 अनुसूचित जाति एवं सब्जियों की संरक्षित खेती के 02 सामान्य एवं 03 अनुसूचित जाति के कृषकों को जनपद से प्रतिभाग करना है। इसी प्रकार उन्होंने बताया है कि 06 से 10 फरवरी 2024 तक औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र खुशरूबाग प्रयागराज में बागवानी फसलों के फलोत्पादन की तकनीक एवं प्रसंस्करण की विधियों पर एक पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जनपद के इच्छुक बागवानी फसलों के 04 सामान्य कृषक तथा 04 अनुसूचित जाति के कृषकों को जनपद से प्रतिभाग करना है। तद्क्रम में जनपद के इच्छुक कृषक 05 फरवरी (दिन सोमवार) तक प्रत्येक दशा में अपना नाम, पिता/पति का नाम, मोबाइल नम्बर तथा पता सहित कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी प्रतापगढ़ को उपलब्ध करा दें।

मनरेगा बन रहा है अन्नपूर्णा भवन निर्माण में अवरोधक

प्रधानों को सता रहा है भुगतान रुकने का डर, शुरू नही हो रहा है निर्माण

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। मनरेगा से अन्नपूर्णा भवन के निर्माण होने की वजह से प्रधान कार्य में रुचि नहीं ले रहे है। उन्हें मैटेरियल का भुगतान रुकने का भय सता रहा है। वहीं अधिकारी भी अपनी जिम्मेदारी को नही निभा पा रहे है। यही वजह है कि चयनित चार दुकानों में सिर्फ एक ही का निर्माण कार्य शुरू हो सका है।स्थानीय विकास खंड में शासन के निर्देश पर मॉडल शॉप की तर्ज पर अगई, अर्जुनपुर, मधुकरपुर व गौखडी की सरकारी राशन की दुकानों को लगभग दो माह पूर्व चयनित किया गया है। ग्रामीणों को रोजमर्रा की चीजों को गांव में ही उपलब्ध कराने की मंशा से सरकार कोटे की दुकानों को हाईटेक बनाना चाह रही है, लेकिन लापरवाही के चलते अभी गौखाड़ी को छोड़कर किसी अन्य पर निर्माण कार्य शुरू नही हो सका है। इस दशा में सरकारी राशन की दुकानें कैसे मॉडल बन पाएगी? लोगों की मानें तो सरकारी राशन की दुकान को कोटेदार बनवाने के लिए तो इच्छुक हैं, लेकिन गांव के प्रधान की रुचि न लेने से भवन का निर्माण नहीं हो पा रहा है। वहीं एक प्रधान जी ने बताया कि अन्नपूर्णा भवन का कार्य मनरेगा से होना है।इस विभाग में मजदूरी तो मिल जाती है लेकिन मैटेरियल की धनराशि कब मिले कोई पता नहीं है। यही वजह है कि प्रधान इसे बनवाने से दूर भाग रहे है। शासन के निर्देश के बाद भी जिम्मेदारों की लापरवाही दिखाई दे रही है। लगभग दो माह पूर्व चयन के बाद भी निर्माण कार्य न होना शासन के आदेश का मजाक बन गया है।

क्या कहते है अधिकारी?

आपूर्ति निरीक्षक लालगंज, राजीव सिंह का कहना है कि अगई के कोटे को भी हाईटेक बनाया जायेगा, पूरे रूप हो नही अन्य गावों की दुकानें मॉडल शॉप बनाई जाएंगी।

अगई के स्थान पर चमकेगा पूरे रूप

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। चयनित अगई कोटे की दुकान अब मॉडल शॉप नही बनेगी। सूत्रों की माने तो अगई के स्थान पर विना सूची के ही पूरे रूप की दुकान को हाईटेक बनाने की तैयारी में अधिकारी लोग जुट गए है। जब की शासन की लिस्ट के बावजूद अगई में मॉडल शॉप प्रशासन नही बनवा पा रहा है।

बच्चों के विवाद में हुई मारपीट, तीन घायल

पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिये भेजा

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। क्रिकेट खेल के दौरान बच्चों में विवाद हो गया और एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के घर पर पहुंच कर लाठी डंडा कुल्हाड़ी से मारपीट कर घायल कर दिए और शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। हल्ला गुहार मचाने पर पीड़िता की किसी तरह जान बची। घटना के संबंध में पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

पट्टी कोतवाली क्षेत्र के नंदईपुर गांव निवासिनी हीरावती देवी ने कोतवाली पट्टी में दिए गए शिकायती प्रार्थना पत्र में आरोपित किया है कि शाम को गांव में पड़ोसियों के बच्चों के साथ उसके बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। इसी दौरान खेल-खेल में बच्चों में विवाद हो गया और मारपीट हो गई। सूचना पर पीड़ित हीरावती देवी पड़ोसी के घर उलाहना देने गई तो आरोप है कि आधा दर्जन दबंग पड़ोसियों ने लाठी डंडा कुल्हाड़ी लेकर उसके घर पर धावा बोलकर घर में घुसकर जमकर मारपीट किए। मारपीट में हीरावती का पुत्र दीपेश श्रीवास्तव (12) वर्ष के गर्दन पर कुल्हाड़ी से मार कर घायल कर दिये और आयुष श्रीवास्तव (14) वर्ष को लाठी डंडे से पीट कर हाथ तोड़ डाले और हीरावती देवी (40) वर्ष को मार कर घायल कर दिये। इस दौरान पीड़िता का पति घर पर नहीं था। हल्ला गुहार मचाने पर प्रार्थनी की जान बची। घटना के संबंध में पीड़ित हीरावती देवी ने पट्टी कोतवाली में तहरीर दी। पुलिस घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

मनरेगा कार्मिको को मानदेय न मिलने से दिया गया ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। विकास खंड कालाकांकर के मनरेगा कार्मिको को माह दिसंबर 23 से मानदेय न मिलने से खंड विकास अधिकारी कालकांकर के नाम हस्ताक्षर युक्त लिखित ज्ञापन एडीओ पंचायत कालाकांकर संतोष शुक्ला को दिया जब कि कुंडा के मनरेगा कार्मिको को मानदेय दे दिया बचा मानदेय न मिलने से मनरेगा कार्मिक भुखमरी व कर्ज मे डूब रहे है जिलाधिकारी राजीव रंजन से अनुरोध करते हुए तत्काल मानदेय दिलाने की गुहार लगाई है, जिसमें रविशंकर, धमेंद्र, रमेश पटेल, लक्ष्मी शंकर, अनुमा रेखा आदि लोग रहे।

अधिकारी को ज्ञापन देते मनरेगा कार्मिक।

विवादित नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का कौशांबी में हुआ जमकर विरोध

दिखाए काले झंडे, फेका जूता और काली स्याही, पहुंची पुलिस ने मशक्कत के बाद पाया काबू

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। एक सम्मेलन में पहुंचे सपा के विवादित नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का कौशांबी में जम कर विरोध हुआ। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे हिंदूवादी लोगों ने काफिले पर काली स्याही और जूते फेंक कर अपना विरोध दर्ज कराया। स्वामी प्रसाद मौर्य के विरोध में जमकर नारेबाजी हुई घण्टो की मसक्कत के बाद पुलिस लोगो को रोकने में सफल रही।

हिंदू धर्म पर विवादित बोल को लेकर चचाओं में रहने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य पूर्व मंत्री का रविवार को मुख्यालय मंझनपुर में कार्यक्रम लगा था आने की खबर पर जिले के हिंदूवादी लोगों में काफी आक्रोश देखा जा रहा था। जैसे ही स्वामी प्रसाद मौर्य जिले के सैनी थाना क्षेत्र के करनपुर सौरई चौराहे के पास पहुँचे अचानक सैकड़ो की संख्या में हिंदूवादी लोगों ने उनके काफिले को काला झंडा दिखाकर अपना विरोध दर्ज कराया यही नहीं इस मौके पर कुछ लोगों ने उनके ऊपर जूते फेक और काली स्याही फेंकी इतना होने के बाद हंगामा काट रहे लोगों को पुलिस रोकने लगी लेकिन लोग नहीं माने और स्वामी प्रसाद मौर्य के विरोध में जमकर नारेबाजी करते रहे काफी मशक्कत के बाद पुलिस लोगों पर काबू पाने में सफल रही। पूरे मामले को लेकर दिनभर जिले में चचाओं का बाजार गर्म रहा।

समदा ग्राम सभा की समस्याओ से पीड़ित है आने जाने वाले लोग

सैय्यद सरावा कौशाम्बी। चायल तहसील क्षेत्र के समदा ग्राम सभा की समस्याओं से गांव के लोग पीड़ित हैं आने-जाने में लोगों को दिक्कत होती है नदियाँ नाली बन गयी है और गांव की तरफ का सड़क मार्ग अवरुद्ध है गांव से होकर बिना गिरे हुए गांव से बाहर निकल पाना असंभव है।

सड़क के बगल मे उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन स्थित है जिसमे गंदा पानी भरा हुआ है सफाई कर्मचारी आकर उन नालियों की सफाई भी नही करते है जिससे गांव में गंदगी व्याप्त है लोगों को दिक्कतों से जूझना पड़ रहा है गांव के लोग इस विषय पर जब ग्राम प्रधान से लगातार सुधार की मांग करते है तो उनकी बातो पर ध्यान न देकर ग्राम प्रधान लगातार ग्रामीणों को अपमानित करता है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है लोगों ने खंड विकास अधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए गांव की समस्याओं के समाधान की मांग की है।

चायल सर्किल क्षेत्र में कुटीर उद्योग का रूप ले रहा अवैध कच्ची शराब का कारोबार

थाना पुलिस और आबकारी विभाग अवैध कच्ची शराब के कारोबार पर रोक लगाने में नाकामयाब

कौशांबी। चायल सर्किल क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध कच्ची शराब का कारोबार तेजी से फलफूल रहा है। आबकारी विभाग की निरंकुशता के चलते अवैध कच्ची शराब का कारोबार धीरे - धीरे कुटीर उद्योग का रूप ले रहा है। कच्ची शराब का सेवन करने वाले लोग तेजी से गंभीर बीमारी का शिकार हो रहे हैं। चायल सर्किल क्षेत्र में हो रहे अवैध कच्ची शराब के कारोबार पर आबकारी विभाग मौन दिखाई पड़ रहा है जिसके चलते शराब कारोबारियों का मनोबल तेजी से बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। कभी - कभी तो थाना पुलिस अवैध कच्ची शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्यवाही कर शिकंजा कसने का काम करती है लेकिन आबकारी विभाग बिल्कुल शून्य दिखाई पड़ रहा है। थाना पुलिस की कार्यवाही के कुछ दिन बीत जाने के बाद शराब कारोबारी फिर से पहले जैसा रवैया अपनाने लगते हैं जिसके चलते चायल सर्किल क्षेत्र में अवैध कच्ची शराब के कारोबार में कमी देखने को नहीं मिल रहा है।शाम होते ही चायल सर्किल क्षेत्र के तमाम गांवों में कच्ची शराब का सेवन करने के लिए नशेड़ी किस्म के लोग घूमने लगते हैं और कच्ची शराब का सेवन करने के बाद उत्पात मचाते हुए अक्सर दिखाई देते हैं। बड़े पैमाने पर कच्ची शराब का निर्माण करने वाले लोग नशीली शराब बनाने के लिए नौशादर, यूरिया सल्फर सल्फास कीट नाशक दवाएं चूहा मारने वाली दवा खाने वाली तंबाकू सहित अन्य प्रकार के हानिकारक चीजों का उपयोग करते हैं जिसका सेवन करने से लोग गंभीर बीमारी का शिकार हो रहे हैं। चायल सर्किल क्षेत्र के तमाम गांवों में हो रहे अवैध कच्ची शराब के कारोबार से आबकारी विभाग बिल्कुल अनजान बनकर बैठा हुआ है ऐसा लग रहा है जैसे विभाग को कुछ पता ही नही है या फिर इसके पीछे की वजह कुछ और है जिसके कारण अवैध कच्ची शराब कारोबारियों के खिलाफ आबकारी विभाग कार्यवाही नही कर रहा है। कई बार तो कच्ची शराब का सेवन करने से लोगों की मौत तक हो गयी है लेकिन परिजन सामान्य मौत समझ कर कानूनी प्रक्रिया नही अपनाते हैं जिसके चलते अवैध कच्ची शराब से मौत होने का मामला सरकारी अभिलेखों में दर्ज नहीं होता है और इसका लाभ आबकारी विभाग, थाना पुलिस और अवैध तरीके से कच्ची शराब का निर्माण करने वाले लोगों को मिल रहा है।

न्यूज झरोखा

अनियंत्रित कार खाई मे पलटी बाल बाल बचा कार चालक

कौशाम्बी। मोहब्बत पुर पैंसा थाना क्षेत्र के अफजलपुर वारी के पास रविवार की शाम 5 बजे अनियंत्रित कार खाई मे पलट गयी हादसे में कार चालक बाल बाल बच गया है जानकारी के मुताबिक कार चालक गाड़ी लेकर धाता से अफजलपुर वारी जा रहा था तभी अफजलपुर वारी तालाब के पास अचानक अनियंत्रित होकर कार पलट गई गाड़ी मे केवल ड्राइबर ही था जो हादसे में बाल बाल बच गया है हादसा देख कर मौके पर तमाम लोगों की भीड़ लग गई मामले की सूचना पुलिस को दी गई है किसी के घायल ना होने पर लोगों ने राहत की सास ली है

अखिल भारतीय ब्राम्हण एकता परिषद ने फिर किया एक ब्राम्हण परिवार की मदद

विवाह की तरह इलाज में भी सभी लोग करे मदद एक ब्राम्हण परिवार के इलाज हेतु किया मदद

कौशाम्बी। अखिल भारतीय ब्राम्हण एकता परिषद के सामने एक मामला आया जिसमे दाई का पूरा में एक अत्यन्त गरीब ब्राम्हण परिवार मिश्री लाल पाण्डेय पुत्र जय नारायण पांडेय जिनके पिता जी नही है उनकी माता सूरज बाई जिनको पालिस मार दी है यह भूमिहीन है यह मजदूरी कर के किसी तरह जीवन यापन कर रहे थे लेकिन माँ को पालिस मारने की वजह से अब यह घर पर ही रहते है वह भी दूसरे के घर मे यह जानकारी मिली तो अखिल भारतीय ब्राम्हण एकता परिषद कौशाम्बी तुरंत एक्टिव हो गया और आज दिनांक 04 फरवरी को सभी लोग पांडेय परिवार को तीस हजार रुपये प्रदान किये जिससे उनको इलाज में मदद हो सके जिसमे मौके पर जिला प्रमुख अजय मिश्र प्रधान नीतीश मिश्रा गुरौली अंकित त्रिपाठी अधिवक्ता अमित कुमार त्रिपाठी उर्फ सोनू दुर्गेश पांडेय हिसामबाद अंकित पांडेय बाबा का पूरा श्रवण मिश्र प्रधान जाठी आशीष त्रिपाठी दाई का पूरा मुकेश त्रिपाठी शशिकांत त्रिपाठी प्रधान भोला प्रधान मेडरहा राकेश मिश्रा आदि तमाम ब्राम्हण साथी मौजूद रहे।

जन शिक्षण संस्थान द्वारा पीएम विश्वकर्मा प्रशिक्षण कार्यक्रम का एसेसमेंट किया गया

कौशाम्बी जन शिक्षण संस्थान कौशांबी द्वारा 4 फरवरी को पीएम विश्वकर्मा प्रशिक्षण कार्यक्रम का एसेसमेंट किया गया तथा उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन भी किया गया उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष देश राज जायसवाल ने सभी प्रशिक्षाथियों का अवलोकन किया तथा पीएम विश्वकर्मा प्रशिक्षण में जो भी सिखाया एवं बताया गया सभी बिंदुवार एक-एक प्रशिक्षार्थियों से जाना तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की जन शिक्षण संस्थान के निदेशक राजकुमार पांडे द्वारा एक-एक प्रशिक्षार्थियों का एसेसमेंट किया गया तथा संस्थान के अध्यक्ष एवं संस्थान के समस्त स्टाफ एवं संस्थान की प्रशिक्षिका स्वाती मिश्रा रेखा देवी रूपा देवी सुनीता देवी तथा 42 प्रशिक्षार्थियों को धन्यवाद दिया और प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया।

केन्द्रीय चुनाव कार्यालय लोकसभा कौशाम्बी का उद्घाटन

कौशाम्बी श्रम एवं सेवायोजन मंत्री व लोकसभा कलस्टर इंचार्ज अनिल सिंह राजभर के साथ विभागीय समीक्षा बैठक कांशीराम गेष्ट हाउस में की गई। केन्द्रीय चुनाव कार्यालय 50 लोकसभा कौशाम्बी का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री व कलस्टर इंचार्ज अनिल सिंह राजभर के कर कमलों द्वारा हुआ। जिसमें अए हुए सम्मानित अतिथियों , पदाधिकारियों व कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मंत्री जी ने तीन श्रमिकों को कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 55-55 हजार एवं 4 श्रमिको को मातृत्व एवं शिशु हितलाभ योजना के अंतर्गत 31-31 हजार की धनराशि का प्रमाण पत्र वितरित किया गया राजेश मिश्रा उप श्रमायुक्त प्रयागराज द्वारा बताया गया कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में अब तक लगभग 892 निर्माण श्रमिको को विभिन्न योजनाओं में लाभान्वित कराया जा चुका है।

वन प्रभाग के अन्तर्गत कार्यरत न्यूनतम वेतन कार्मिक एरियर के लिए प्रार्थना पत्र करें प्रस्तुत

कौशाम्बी। वन प्रभाग के अन्तर्गत कार्यरत रहें न्यूनतम वेतन कार्मिकों को, जिन्हें पूर्व मे रुपए 6050 या 7000 प्रतिमाह की दर से न्यूनतम वेतन का भुगतान किया जा रहा था, उन्हें रुपए 6050 या 7000 प्रमिमाह के स्थान पर रुपए 18000 प्रतिमाह की दर से दिनांक 01 अप्रैल 2018 से एरियर भुगतान किया जाना है। यह जानकारी प्रभागीय वनाधिकारी आर0एस0 यादव ने देते हुए बताया कि वन प्रभाग के अन्तर्गत कार्यरत रहें ऐसे कोई न्यूनतम वेतन कार्मिक जो इस लाभ/क्लेम से वंचित रह गये हां वे अपना प्रार्थना पत्र 30 दिवस के भीतर वन प्रभाग कार्यालय, मंझनपुर में उपलब्ध करायें, जिससे एरियर भुगतान की कार्यवाही की जा सकें। निर्धारित अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

अटेवा पुरानी पेंशन बहाली की माँग को लेकर रन फॉर ओपीयस में राजधानी लखनऊ हुई गुलाबी गुलाबी

कौशाम्बी। एनएम ओपीएस अटेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु के रन फॉर ओपीएस आमंत्रण पर कौशाम्बी समेत पूरे प्रदेश से हजारों की संख्या में गुलाबी रंग की टी शर्ट पहने पुरानी पेंशन बहाली के लिए अंबेडकर पार्क में लोग एकत्रित हुए। जिला संयोजक कुशल सिंह,जिला महामंत्री सतीश चन्द्र शर्मा,और जिला कोषाध्यक्ष धीरज यादव जिला मंत्री रमेश चंद्र सेन जिला आईटी सेल प्रभारी आशीष कुमार सिंह जिला मीडिया प्रभारी अंकित श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व में कौशांबी जिले से सैकड़ों लोग अपने अपने वाहन, बसों और रेल से सैकड़ों की संख्या में लोग लखनऊ पहुँचे 'प्रदेश का नेतृत्व कर रहे विजय कुमार बंधु एवं डॉ नीरज पति त्रिपाठी के आवाहन पर रन फॉर ओपियस के लिए जनपद कौशांबी से 500 से अधिक शिक्षकों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। कौशांबी जनपद से शिक्षकों का जत्था सुबह 4 बजे 4 बसों व निजी वाहनो के द्वारा रन फॉर ओपीएस मे प्रतिभाग करने के लिए लखनऊ के अंबेडकर पार्क के लिए रवाना हुए बंधू जी के द्वारा तिरंगे के साथ रन फॉर ओपीएस की शुरूवात की गई और सभी शिक्षकों के द्वारा दौड़ लगाकर रन फॉर ओपीएस की अभियान चलाया गया वर्तमान चल रही एनपीएस एवं निजीकरण समाप्त करने एवं ओ पी यस बहाली के आंदोलन के समर्थन में पूरे उत्तर प्रदेश से आए हुए हजारों शिक्षकों के द्वारा अंबेडकर पार्क से जनश्वेर पार्क और पुनः जनेश्वर पार्क से अंबेडकर की दौड़ लगाई गई। उसके पश्चात बंधू जी के द्वारा बताया गया की रन फॉर ओपीएस जब तक चलता रहेगा जब तक सरकार के द्वारा हमारी पुरानी पेंशन को बहाल नहीं किया जायेगा। रन फॉर ओपीएस अटेवा के लिए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष मोती लाल सिंह साथ मे शामिल होकर अटेवा के नेतृत्व में रन फॉर ओपीएस में अपना समर्थन दिया। साथ ही नन्हे मुन्ने बच्चों ने भी अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए पुरानी पेंशन के पक्ष में रन फॉर ओपीएस की दौड़ में प्रतिभाग किया। जिला संयोजक कुशल सिंह ने निजीकरण समाप्ति और पुरानी पेंशन बहाली हेतु हुँकार भरी।अटेवा कार्यकारणी के जिला सह संयोजक राजेन्द्र सिंह, नयन सिंह, संगठन मंत्री विनोद यादव, इकबाल अली , कर्ण सिंह,संजय तिवारी विमल सिंह आनंद यादव राजेश कुमार सरोज चायल ब्लॉक से संयोजिका रचना सिंह कंचन सिंह सुशीला सिंह विमला देवी सपना जायसवाल अनिता तिवारी नीलू चौरसिया विजय लक्ष्मी भावना शुक्ला धर्मेंद्र सिंह चंद्र बली रैना फूल चंद्र सहित हजारों शिक्षक कर्मचारियों ने भाग लिया।

महर्षि देव दयानन्द का मानव कल्याण हेतु रहा अनुपम योगदान

भरवारी कौशाम्बी महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में "चतुर्वेद शतकम् विश्व कल्याण महायज्ञ" का आयोजन दिनांक 2-3 एवं 4 फरवरी 2024 दिन शुक्रवार शनिवार व रविवार को गुरुकुल वैदिक संस्कृत महाविद्यालय सिराथू में किया गया है।महर्षि देव दयानन्द का मानव कल्याण हेतु अनुपम योगदान रहा है। हम सभी उनके ऋणी हैं। उनके द्वारा दी गई 'वेद- पथ' पर चलने की 'प्रेरणा' मानव जीवन सफल बनाने का सर्वोत्तम पथ है। कार्यक्रम के अवसर पर पूर्व सांसद शैलेंद्र कुमार को अंग वस्त्र देकर विद्यालय परिवार ने सम्मानित किया है। प्रबंध समिति एवं गुरुकुल परिवार ने कहा कि जनपद की सभी आर्य समाजों के पदाधिकारियों से निवेदन है कि यह कार्यक्रम आपका है । आप सभी अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति प्रदान करें। स्वयं के साथ अपने परिवार व इष्टमित्रों को अपने साथ लाने का प्रयत्न करें।कार्यक्रम की सफलता हम सब की सफलता होगी महर्षि दयानंद सरस्वती की 200 वी जयंती के उपलक्ष्य में विद्यालय के प्रबंधक प्राचार्य शिक्षक आचार्य बेद पाठी सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित है।

नगर पंचायत पश्चिम शरीरा में बढ़ते कमीशन खोरी से विकास योजनाएं चौपट

बैरमपुर कौशांबी नगर पंचायत पश्चिम शरीरा में अधिशासी अधिकारी और अध्यक्ष के पति की साठगांठ के चलते विकास योजनाओं में जमकर कमीशन खोरी हो रही है नगर पंचायत के अध्यक्ष अपने अधिकार का प्रयोग नहीं कर पा रही हैं उनके अधिकार छीन लिए गए हैं और उनके पति ही नगर पंचायत के अध्यक्ष बन बैठे हैं सूत्रों की माने तो 35 प्रतिशत से अधिक ठेकेदारों से विकास योजनाओं में कमीशन की वसूली की जा रही है विकास योजनाओं में कमीशन की वसूली के लिए एक कमी को जिम्मेदारी सौंप गई है जिसके माध्यम से अवैध वसूली कराई जाती है योगी सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था पर नगर पंचायत पश्चिम शरीरा के अधिकारियों की कमीशन खोरी पूरी ब्यवस्था पर भारी पड़ती दिख रही है नगर पंचायत अध्यक्ष के पति और अधिकारियों की साठगांठ के चलते भ्रष्टाचार तेजी से बढ़ रहा है और मानक के अनुसार निर्माण कार्य नहीं कराए जा रहे हैं कुछ वर्षों में करोड़ों की रकम खर्च किए जाने के बाद जमीनी सतह में विकास कार्य नहीं दिखाई पड़ रहे हैं घटिया तरीके से कराए जा रहे निर्माण कार्यों को देखने वालों ने मौन साध लिया है बताया जाता है कि कुछ निर्माण कार्य है जो बनते ही टूटने लगे हैं जो कमीशन खोरी द्वारा कराए गए कार्य के भ्रष्टाचार की पोल खोल रहे हैं ।

बौद्ध नगरी कौशाम्बी को यूपी की योगी सरकार दे रही है एक नयी पहचान

बौद्ध सर्किट से जोड़ने के लिए कौशाम्बी में 2359.55 लाख रुपए की लागत से बुद्धा थीम पार्क का किया जा रहा विकास

कौशाम्बी। प्राचीन भारत के 16 महाजनपदो में वत्स राज्य की समृद्ध राजधानी रही बौद्ध नगरी कौशाम्बी को यूपी की योगी सरकार एक नयी पहचान दे रही है,अपने अतीत में सभ्यता और समृद्धि का इतिहास समेटे इस स्थान को उत्तर प्रदेश का पर्यटन विभाग बौद्ध तीर्थ क्षेत्र के रूप में विकसित कर रहा है छठी शताब्दी ईसा पूर्व में बौद्ध नगरी कौशाम्बी की गिनती भारत के 6 सबसे महत्वपूर्ण नगरों में होती थी, यूपी सरकार अब इसे नई पहचान दे रही है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह ने बताया कि कौशाम्बी जनपद के कोसम इनाम गाँव को पर्यटन विभाग बौद्ध तीर्थ क्षेत्र के रूप में विकसित कर रहा है। बौद्ध सर्किट से जोड़ने के लिए यहां पर 2359.55 लाख रुपए की लागत से बुद्धा थीम पार्क का विकास किया जा रहा है। पर्यटन विभाग को इसके लिए पहली किश्त भी मिल चुकी है। इलाके में 11 हेक्टेयर की जमीन भी स्थानीय किसानो से अधिग्रहित की गई है। किसानों को उनका मुआवजा भी दिया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि इस पार्क में ओपन थियेटर, महात्मा बुद्ध के जीवन पर आधारित संग्रहालय, बुद्ध पर आधारित म्यूरल्स, थीमेटिक गेट, कैफेटेरिया और ठहरने के लिए गेस्ट हाउस का निर्माण किया जाएगा। बौद्ध स्थलों के सतत विकास के लिए इसका व्यवस्थित ढंग से विकास और विस्तार होना भी आवश्यक है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह के मुताबिक इस पूरे इलाके को बौद्ध संरक्षित क्षेत्र घोषित करने के लिए इसे प्राधिकरण क्षेत्र घोषित किये जाने की योजना है। पर्यटन विभाग ने शासन को इस क्षेत्र को प्राधिकरण क्षेत्र घोषित करने के लिए प्रस्ताव भी भेजा है। प्राधिकरण क्षेत्र घोषित होने के बाद यहाँ व्यवस्थित निर्माण की योजना लागू की जायेगी। स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्षेत्र में स्थानीय लोगो को अपने घरो में पेइंग गेस्ट की सुविधा का विकास करने के लिए प्रस्ताव दिया जाएगा। जिससे स्थानीय लोगो को रोजगार मिलेगा पर्यटकों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पर्यटन विभाग इस क्षेत्र में टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर का विकास कर रहा है। इसके अलावा कोसम इनाम गांव में ही 51 फीट ऊंची महात्मा बुद्ध की कांस्य प्रतिमा का निर्माण किया जा रहा है। ललित कला अकादमी 1125.01 लाख की लागत से इसका निर्माण कर रही है।

सामुदायिक शौचालय लगातार कई महीने से है बन्द!

घोषित कर दिया ओडीएफ जब कि खुले में लोग कर रहे है मलमूत्र रिबोर के नाम पर लाखों का घोटाला पानी बिन शौचालय में हाहा कार

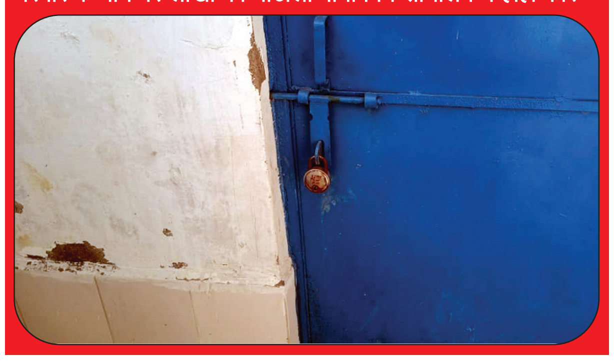

कोखराज कौशाम्बी। सिराथू ब्लॉक के अंतर्गत कशिया पश्चिम में लगातार शौचालय की साफ सफाई के नाम पर ग्राम प्रधान की मिलीभगत से हर माह रुपया निकाल लिया जाता है।जबकि सामुदायिक शौचालय में 4 महीने से ताला बंद कर दिया गया है हद तो तब हो गयी जब अंदर देखा गया तो एक बूंद पानी तक नहीं है वही ग्राम में रिबोर के नाम पर लाखों रुपए निकाल लिया गया लेकिन आज तक एक भी हैण्डपम्प का रिबोर नही हो सका सामुदायिक शौचालय को देखने से ही मालूम होता है कि यह उपयोग में नहीं है जबकि।अधिकारियों ने जिले को खुले में शौच मुक्त ओडीएफ घोषित कर शासन को रिपोर्ट भेज दिया है दूसरी तरफ सामुदायिक शौचालय में ताला बंद कर दिए जाने से खुले में मलमूत्र त्याग करने को कशिया पश्चिम ग्राम लोग मजबूर हो रहे हैं जिम्मेदारों के दोहरे चरित्र में बेशर्मी की हद हो गई है एक तरफ सूबे के मुखिया स्वच्छता अभियान चला कर गांव गांव साफ सफाई पर जोर दे रहे हैं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्वच्छ भारत मिशन स्वच्छता अभियान के अंतर्गत करोड़ो का बजट खर्च कर साफ सफाई अभियान को जोर दे रहे हैं दूसरी तरफ ग्राम प्रधान व पंचायत सेक्रेटरी मिलकर स्वच्छ भारत मिशन की धज्जियाँ उड़ा रहे है ग्रामीणों का कहना है कि 4 माह से इस सामुदायिक शौचालय में ताला बंद पड़ा है। जानकारी के अनुसार सामुदायिक शौचालय में पंचायत विभाग के जिम्मेदारों द्वारा लगातार रुपया निकाल कर हजम कर रहे है।जिससे सामुदायिक शौचालय का उपयोग नहीं हो रहा है और अपनी कमियों को छिपाने के लिए जिम्मेदारों ने शौचालय में ताला बंद कर दिया है जिससे खुले में शौच मुक्त घोषित करना बकवास साबित हो रहा है सडक चौराहे के लोगों को शौच के लिए बाहर जाना पड़ रहा है सामुदायिक शौचालय में ताला बंद कर दिए जाने का यह मामला बेहद गंभीर है और इस मामले में अभी तक अधिकारियों ने मामले को संज्ञान लेकर दोषियों पर कार्यवाही नहीं की है सामुदायिक शौचालय में ताला बंद कर दिए जाने के इस मामले को अधिकारियों ने गंभीरता से लेकर जांच कराई तो दोषियों पर कठोर कार्रवाई होना तय है लेकिन इस गंभीर मामले में अभी तक खंड विकास अधिकारी सिराथू और एडीओ पंचायत ने मामले को गंभीरता से लेकर दोषियों को दंडित नहीं किया है।

अमृत वाटिका आंगनवाड़ी भवन के लिए प्रस्तावित भूमि पर कब्जा

कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के कुण्डरावरी ग्राम सभा की बंजर भूमि संख्या 470 रकवा लगभग 8 बीघा आंगनवाडी भवन के निर्माण और अमृत वाटिका के लिए प्रस्तावित किया गया है इसी भूमि पर दस बिस्वा जमीन गांव के महेन्द्र कुमार की माँ और दिनेश कुमार को पट्टा स्वीकृति किया गया है लेकिन दस बिस्वा के पट्टे की भूमि पर ढाई बीघा जमीन पर जबरिया निर्माण शुरू कर दिया गया है जबरिया सरकारी जमीन पर हैंडपम्प की बोरिंग शुरू कर दी है ग्राम प्रधान का कहना है कि जब अमृत वाटिका आंगनवाड़ी भवन के लिए प्रस्तावित भूमि पर कब्जा को रोका गया तो दबंगो ने गाली गलौज कर फर्जी मुकदमे में फसाने की धमकी दी है। ग्राम प्रधान ने जिलाधिकारी को बताया कि अमृत वाटिका और आंगनवाड़ी भवन के लिए प्रस्तावित बंजर भूमि पर राजस्व टीम ने बंजर भूमि की पैमाइस अभी नही की है जिससे पट्टा धारक का हिस्सा अलग नही हुआ है अमृत वाटिका वा आंगनवाड़ी भवन के लिए प्रस्तावित सरकारी भूमि पर दबंगो के अवैध कब्जा के मामले को लेकर ग्राम प्रधान प्रेमचंद ने तहसील समाधान दिवस सिराथू में शनिवार को जिलाधिकारी के समक्ष शिकायती पत्र देकर अमृत वाटिका वा आंगनवाड़ी भवन के लिए प्रस्तावित भूमि पर दबंगो द्वारा किए जा रहे अवैध कब्जा को रोकने की मांग की है जिलाधिकारी ने एसडीएम को कार्यवाही का निर्देश दिया है।

संपादक की कलम से

दशकों बाद देश की बजट में रक्षा क्षेत्र के साथ हुआ न्याय

भारत ने एक बार फिर से शत्रुओं को साफ संकेत और सख़्त संदेश दे दिया कि वह अपनी सरहदों की निगाहबानी करने में कभी भी पीछे नहीं रहेगा। भारत अपने रक्षा क्षेत्र को निरंतर मजबूत करता रहेगा। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार के अंतरिम बजट को देश के सामने पेश किया। उन्होंने बजट प्रस्तावों में रक्षा क्षेत्र के लिए पिछले वित्त साल की तुलना में 11.1 फीसद अधिक धन की व्यवस्था की। यह राशि देश के जीडीपी के कुल 3.4 फीसद होगी।यह एक स्पष्ट और सख़्त संदेश है कि चीन और पाकिस्तान जैसे दो घोषित शत्रुओं के साथ भारत कभी भी अपनी सीमाओं की रखवाली करने में कमजोर रहने वाला नहीं है। यह दोनों दी देश घनघोर रूप से धूर्त हैं। इनसे भारत कई बार जंग भी कर चुका है। अगर एक 1962 की जंग को छोड़ दिया जाए तो भारत ने हरेक बार इन्हें करारा जवाब भी दिया है। 1962 की जंग को हुए तो अब छह दशकों का लंबा वक्त हो गया है। उसके बाद चीन ने हमारी सीमाओं के अतिक्रमण करने की जब-जब कोशिश की तो उसे कसकर मार पड़ी। बुद्ध, महावीर और गांधी का भारत अपने पड़ोसियों से सौहार्द पूर्वक संबंध रखना जरूर चाहता है। वह अपने पड़ोसियों की क्षेत्रिय अखंडता का सम्मान भी करता है। इतिहास साक्षी है कि भारत ने किसी देश में जाकर कभी भी हमला नहीं किया है। पर भारत भी अब किसी की धौंस में आने वाला नहीं है। इस बीच, रक्षा क्षेत्र को लेकर सबसे अच्छी बात यह हो रही है कि भारत रक्षा उत्पादन में आत्म निर्भर बनने का संकल्प ले चुका है। नरेन्द्र मोदी के केन्द्र सरकार पर 2014 में सत्तासीन होने के बाद सरकार की कोशिश रही है कि हम अपनी रक्षा जरूरतों का उत्पादन खुद करें।

भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल के अनुरूप और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए,सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में कई नीतिगत पहल की हैं और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और स्टार्ट-अप सहित भारतीय उद्योग द्वारा रक्षा उपकरणों के स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए सुधार लाए हैं, जिससे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है। एक सुखद बात यह भी है कि टाटा, लार्सन एड टुब्रो, महिन्द्रा और जिंदल जैसे मशहूर उद्योग समूह रक्षा उत्पादन में निवेश कर रहे हैं। टाटा समूह रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में लंबी छलांग लगाने की तैयार कर चुका है। टाटा मोटर्स, टाटा पावर और टाटा एडवांस्ड मैटीरियल्स रक्षा उत्पादन के काम में खासतौर पर बहुत एक्टिव हैं। भारत के सालाना लगभग दो लाख करोड़ के रक्षा बाजार में कब्जा करने में टाटा समूह एक बड़े प्लेयर के रूप में ऊभर रहा है।

भारत को अपने दुश्मनों से पूरी तरह से सुरक्षित रखने के लिए देश को इस क्षेत्र में हर हालत में एक स्तर तक तो आत्म निर्भर होना ही होगा। इस लिहाज से देश के निजी के ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी आ जाती है। दरअसल स्टॉकहोम इंटरनेशनल ने अपनी एक हालिया रिपोर्ट में बताया है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2013-17 और 2018-22 के बीच भारत की हथियार खरीद में 11 प्रतिशत की कमी आई है, इसके बावजूद भारत हथियारों का सबसे बड़ा खरीददार देश बना हुआ है। बीते पांच सालों में दुनिया में जितने हथियार खरीदे गए, उनमें से 11 प्रतिशत अकेले भारत ने खरीदे। सऊदी अरब (9.6 फीसदी) खरीद के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं इनके बाद कतर (6.4%), ऑस्ट्रेलिया (4.7%) और चीन (4.7%) का नंबर आता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियारों का निर्यातक इसलिए बना क्योंकि वह चीन और पाकिस्तान जैसे देशों का पड़ोसी है। चीन और पाकिस्तान को भारत का विकास कभी भी रास नहीं आता। यह दोनों मुल्क भारत को किसी ना किसी तरह से क्षति पहुंचाने की फिराक में रहते हैं। इसलिए भारत के पास अपने रक्षा बजट को लगातार बढ़ाने के अलावा कोई चारा नहीं बचता। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस सोच के चलते ही अपने अंतरिम बजट में रक्षा क्षेत्र को दिल खोल धन दिया।कमजोर को तो दुनिया जीने का भी अधिकार देने के लिए राजी नहीं है। कहा गया है कि ह्लक्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो । उसको क्या जो दंतहीन, विषहीन, विनीत, सरल हो। भारत की तरफ से पूरे विश्व को यह संदेश जाते रहना चाहिए कि हम रक्षा क्षेत्र को मजबूत करते हुए अपने अन्य क्षेत्रों की भी अनदेखी नहीं करेंगे।

यह भी गौरतलब है कि भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक बड़ी ताकत बनने जा रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक पिछले नौ साल में देश में रक्षा निर्यात में 23 गुणा की बढ़ोतरी हुई है। फिलहाल 100 से अधिक कंपनियों के जरिए देश में रक्षा क्षेत्र से जुड़ा सामान का उत्पादनहो रहा है। इन्हें मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के तहत बनाया जा रहा है। देश रक्षा क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, बल्कि दूसरे देशों को भी निर्यात कर रहा है। विगत वित्त साल भारत ने 16 हजार करोड़ रुपए का निर्यात किया है, जिसमें सैन्य हार्डवेयर यानी गोला-बारूद और हथियार शामिल हैं। यह पिछले साल से करीबन तीन हजार करोड़ रुपए अधिक है और पिछले नौ वर्षों में सबसे अधिक और 2014 से 23 गुणा है।

अब जानेंगे कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट 2024 क्यों पेश किया? इससे पहले केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने वर्ष 2019 में अंतरिम बजट पेश किया था। तो,अंतरिम बजट क्या है और इसे 2024 में पूर्ण बजट के बजाय क्यों पेश किया जा रहा है। क्या होता अंतरिम बजट है?दरअसल जिस साल देश में लोकसभा चुनाव होने होते है, उस वर्ष के दौरान मौजूदा सरकार पूर्ण बजट पेश नहीं कर सकती है। इसी वजह से वित्त मंत्री अंतरिम बजट पेश करते हैं जो अल्प काल के लिए सरकार के खर्चों और राजस्व की रुपरेखा तय करते हैं। अंतरिम बजट तब तक के लिए होता है जब तक देश में नई सरकार चुनी नहीं जाती। यह तो मानकर चलिए जब देश का पूर्ण बजट पेश होगा तब भी रक्षा क्षेत्र के साथ न्याय ही होगा।

गांव में टिकाऊ आजीविका

- भारत डोंगरा

तालबेहट ब्लाक के हनौता गांव में सहरिया आदिवासी व दलित परिवार प्राय: ऐसी स्थिति में वर्षों से रहते आए हैं जब पानी के अभाव में वे खेती नहीं कर पाते थे व प्रवासी मजदूर के रूप में इंदौर, दिल्ली, पंजाब आदि में भटकते रहते थे। ईंट भट्टों पर या जहां भी काम मिले, बहुत कम मजदूरी पर कार्य करने को मजबूर थे, पर अब इस मजबूरी पर रोक लगी है। रबी की फसल तो कई किसानों ने पहली बार ली है।

सोना सहरिया एक आदिवासी महिला है जो तालबेहट ब्लाक के बम्होरा गांव में अपने छोटे स्तर की खेती-किसानी से संतोषजनक आजीविका प्राप्त कर रही है। खेत और किचन गार्डन में बहुत सी सब्जियां लगी हैं, नीबू और अमरूद के पेड़ लगे हैं, जैविक खाद तैयार हो रही है, पर यह स्थिति एक दशक पहले नहीं थी। उस समय सोना के पति इंदौर में प्रवासी मजदूर के रूप में ईंट भट्टों पर मजदूरी करते थे। उन दिनों को याद करते हुए वे बताते हैं कि किसी-किसी दिन तो पूरा दिन मेहनत कर पांच रुपए की ही आमदनी होती थी। खूब मेहनत करने के बावजूद न अपने लिए बचत कर पाते थे, न गांव में अपने घर के लिए।

जैसे ही उन्हें खबर मिली कि अब गांव में स्थिति सुधर रही है तो प्रवासी मजदूरी छोड़कर गांव वापस आ गए और नए सिरे से खेती जमाने के हिम्मत भरे प्रयास करने लगे। आज उसके परिणाम सामने आ चुके हैं - हरे खेत लहलहा रहे हैं, नींबू और अमरूद के पेड़ भी खड़े हैं। अपने लिए पर्याप्त खाद्य प्राप्त हो रहा है, कुछ बिक्री भी हो रहा है। आर्थिक स्थिति को वे संतोषजनक मान रहे हैं और भविष्य के लिए उम्मीद भी है।

सोना के खेत में सावां और कोदो जैसे मिलट या मोटे अनाज भी उगाए जा रहे हैं, ताकि इन पौष्टिक गुणों वाले, पर उपेक्षित मोटे अनाजों की वापसी हो सके। सोना ने बड़े बर्तन दिखाए जिनमें मोटे अनाजों के बीज संग्रहित किए जाएंगे व इस बीज बैंक के माध्यम से अन्य किसान भी मोटे अनाज उगा सकेंगे।

यह बदलाव एक स्वयंसेवी संस्था परमार्थ व प्रशासन के सहयोग से हुए जल-संरक्षण से आया है। सोना स्वयं भी इस संस्था से जुड़ी हैं। इसके साथ सोना ने गांव की सामूहिक भलाई के प्रयास जारी रखे हैं, पर दूसरी ओर पास में तेन्द्रा जैसी बस्तियां आज भी हैं जहां अधिकांश लोग प्रवासी मजदूर के रूप से बाहर गए हुए हैं।

तालबेहट ब्लाक के हनौता गांव में सहरिया आदिवासी व दलित परिवार प्राय: ऐसी स्थिति में वर्षों से रहते आए हैं जब पानी के अभाव में वे खेती नहीं कर पाते थे व प्रवासी मजदूर के रूप में इंदौर, दिल्ली, पंजाब आदि में भटकते रहते थे। ईंट भट्टों पर या जहां भी काम मिले, बहुत कम मजदूरी पर कार्य करने को मजबूर थे, पर अब इस मजबूरी पर रोक लगी है। रबी की फसल तो कई किसानों ने पहली बार ली है। हनौता में यह सार्थक बदलाव इस कारण आ सका, क्योंकि परमार्थ संस्था ने यहां से आठ किलोमीटर दूर बेतवा नदी से एक भूमिगत पाईप लाइन द्वारा इस गांव के अनेक परिवारों को सिंचाई उपलब्ध करवाई। शांति सहरिया के खेत में मूली, मटर, टमाटर, बहुत सी सब्जियां लगी हैं, अमरूद व नींबू के पेड़ भी हैं। अब शांति के परिवार को प्रवासी मजदूरी के लिए भटकना नहीं पड़ता। बबलू अहिरवार का केवल एक हाथ है, दूसरा हाथ दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हो गया था। उसके लिए तो यह और भी महत्वपूर्ण है कि गांव में उसकी खेती जम गई है व उसे प्रवासी मजदूरी के लिए नहीं जाना पड़ता।

अनदेखा नहीं कर सकते शंकराचार्यों की नाराजगी को

- जगदीश रत्तनानी

मंदिर के उद्घाटन के स्वरूप और वास्तविकता पर उनके बयान राजनीतिक ताकतों के सामने एक ताजा असंतोष लाते हैं जिन ताकतों ने असंतोष को मिटाने के लिए सब कुछ किया है। हमारे यहां राजनीति और धर्म का घालमेल है लेकिन जहां तक वे देश की अच्छी तरह से सेवा करते हैं। ऐतिहासिक रूप से शंकराचार्यों के विचार हमेशा प्रगतिशील नहीं रहे हैं और उन्होंने सामाजिक-धार्मिक सुधारों और सभी जातियों और वर्गों के लिए मंदिर-प्रवेश के मुद्दों पर गांधी की लड़ाई का स्वागत नहीं किया है।

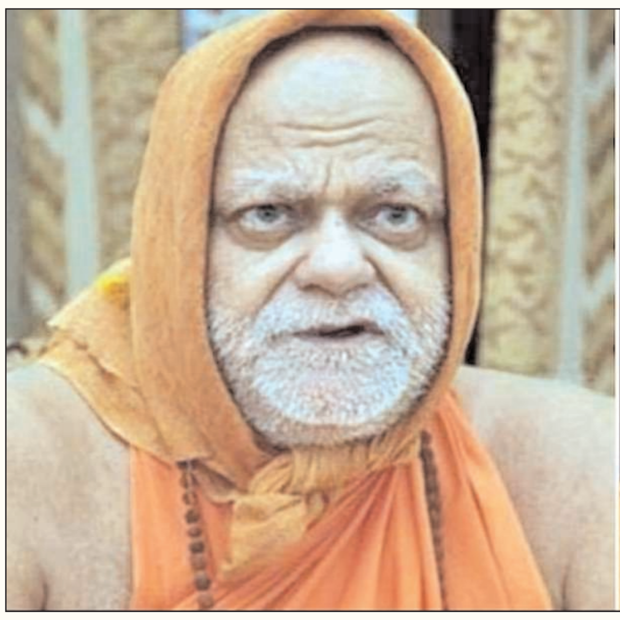

22 जनवरी को राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर भारत के बड़े हिस्से में उत्साहपूर्ण अभूतपूर्व प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं, तो वहीं दूसरी तरफ आंतरिक विसंगतियों के साथ बड़े धमार्चार्यों- शंकराचार्यों के कड़े विरोध के बीच सदियों पुराने शास्त्रों और हिंदू परंपराओं के उल्लंघन का हवाला दिया गया है। यह समारोह हमारे लिए भगवा झंडों का एक सागर लेकर आया, विशेष रूप से उत्तर भारत में जहां इसने एक राजनीतिक लामबंदी को उजागर किया। जिसने भाजपा और कई अन्य को आश्वासन दिया कि इससे 2024 के राष्ट्रीय चुनावों में पार्टी को अभूतपूर्व लाभ मिलेगा। पहले मंदिर के उद्घाटन का विरोध, शास्त्रों की तकनीकी बातों पर जिक्र, फिर निमंत्रण पर और बाद में समग्र औचित्य और राजनीतिक कब्जे के बड़े मुद्दों पर मतभेद सामने आए जो मंदिर समर्थक व्यापक समूह के भीतर एक साझा समझ और विश्वास के आंतरिक विरोध की ओर इशारा करते हैं। हर कोई उस कमांड-एंड-कंट्रोल ऑपरेशन को पचाने के लिए तैयार नहीं है जिसे भाजपा के रणनीतिकारों ने मंदिर आंदोलन में बदल दिया है। निश्चित रूप से शंकराचार्य भी नहीं जिन्होंने एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर विरोध जताया है। ऐसा महसूस होता है कि भाजपा अपने मतदाताओं से कह रही है- हमने आपको मंदिर दिया। हम रास्ता जानते हैं। हमारे पीछे चलें और कोई प्रश्न न पूछें। राजनीतिक भक्तों की फौज के कई लोग इससे सहमत प्रतीत होते हैं। लेकिन अब जो असहज हैं, वे मानों कहते हैं- हमने इसके लिए लड़ाई लड़ी और यह वह नहीं है जिस बारे में हमने बातचीत की थी।

उद्घाटन की तारीख, अभिषेक समारोह के केन्द्र में प्रधानमंत्री का होना, शंकराचार्यों के साथ अशोभनीय व्यवहार और बाद में कार्यक्रम में शामिल होने से उनका इंकार, भाजपा समर्थक उद्योगपतियों की उपस्थिति और निमंत्रितों के चयन में धन और शोबिज का प्रदर्शन, भौतिक आडंबर पर ध्यान केंद्रित करना, राजनीतिक उद्देश्य से किए गए उद्घाटन में सुरक्षा बलों के अपरिहार्य अत्यधिक उपयोग को लेकर मंदिर के मुद्दे पर भाजपा के साथ माने जाने वाले लोगों ने भी सवाल उठाए हैं। यह पहली बार नहीं है जब भाजपा का साथ देने वाले दलों ने खुद को अलग-थलग महसूस किया है या भाजपा को भीतरी दुश्मन के रूप में देखा है। भाजपा एक ऐसी ताकत है जो हर कीमत पर अपना विस्तार चाहती है। अगर आपको कोई शक है तो महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और उनकी शिवसेना से पूछिए!

22 जनवरी को राजनीतिक लामबंदी के साथ घुल-मिल चुकी भक्ति के प्रदर्शन में शंकराचार्यों का असंतोष एक महत्वपूर्ण आवाज का प्रतिनिधित्व करता है जो भाजपा और उसके सहयोगियों द्वारा पेश की गई राजनीतिक कहानी के विपरीत है। असहमति की आवाज स्पष्ट, असंदिग्ध और निष्पक्ष है और जो भविष्य के अयोध्या-धाम के लिए अतिशयोक्तिपूर्ण विशेषणों से सज्जित, अतिरंजित दावों के इर्द-गिर्द घूमने वाली बयानबाजी के विपरीत है। शंकराचार्य की दलीलें हालांकि इन अर्थों में भाजपा द्वारा मंदिर आंदोलन पर राजनीतिक कब्जा, संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए आंदोलन को हथियार बनाने और उनके गुस्से के तात्कालिक कारण की ओर इशारा नहीं करती हैं। शंकराचार्यों को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की तारीख, किसी शुभ मुहूर्त, मूर्ति से कुछ लेना-देना नहीं है। आने वाले चुनावों को निगाह में रखकर भाजपा यह सब कुछ कर रही है। शंकराचार्यों ने जोर देकर और दृढ़ विश्वास के साथ बताया है कि चूंकि मंदिर का निर्माण कार्य अभी जारी है और पूरा नहीं हुआ है इसलिए इसका उद्घाटन अभी नहीं किया जा सकता है ।

संक्षेप में, शंकराचार्यों की ओर से जो बयान आ रहे हैं उन्होंने भाजपा के उस सपने को तहस-नहस कर दिया है जिस पर भाजपा अपना चुनाव अभियान तैयार करती दिख रही है। इन आलोचकों में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और पुरी पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती प्रमुख हैं। आज की स्थिति के अनुसार इन दृष्टिकोणों का धर्म, परंपरा और नैतिकता में एक मजबूत आधार है लेकिन जरूरी नहीं कि यह एक राजनीतिक बढ़त हो जिससे भाजपा चिंतित हो सकती है। उन वोटों में शंकराचार्य सेंध नहीं लगा सकते हैं जिन्हें भाजपा मंदिर के बदले में भुनाने की उम्मीद करती है। फिर भी शंकराचार्य, उनकी संस्था में सन्निहित वेद और शास्त्रों तथा समझ के प्रारंभ के एक महत्वपूर्ण बिंदु को चिह्नित करते हैं। वे उन लोगों को चुनौती देते हैं जो राजनीतिक पुरस्कारों के लिए वेद और उन की तरह के शास्त्रों और परंपराओं का उपयोग कर रहे हैं।

यह उल्लेखनीय है कि अयोध्या के घटनाक्रम के खिलाफ एक स्पष्ट और मुखर नजरिया भाजपा के राजनीतिक विरोधियों की ओर से नहीं बल्कि धार्मिक नेताओं की ओर से आया है जो स्पष्ट तरीके से अपने तर्क रखते हुए संघर्ष कर रहे हैं। पूरे घटनाक्रम में आया यह अप्रत्याशित मोड़ वर्तमान संवाद की जटिल प्रकृति और अतीत में आत्म-पराजय की कहानियों की ओर इशारा करता है जिन्होंने हमें सांप्रदायिकता के हार्ड या सॉफ्ट संस्करणों के रूप में चिह्नित सरलीकृत समझ और रंग दिये हैं या दूसरे चरम बिंदु पर धर्म और राजनीति के बीच एक मजबूत और सुस्पष्ट विभाजन रेखा की मांग खड़ी कर दी है

इनमें से प्रत्येक भावना अपने तरीके से शोषणकारी है और उन मूल्यों व सिद्धांतों की सराहना नहीं करती है जिनका उल्लेख किया जाता है। उदाहरण के लिए महात्मा गांधी ने बिना किसी हिचकिचाहट के धर्म के साथ राजनीति पर अपने विचारों को अपने प्रवचनों में बताया है। गांधी ने खुले तौर पर राम को अपने भगवान और उद्धारकर्ता के रूप में देखा और राम को एक समावेशी राजनीतिक संभाषण में ले कर आए। उन्होंने कहा- राम ने... मेरे सबसे अंधेरे समय को रोशन कर दिया है। एक ईसाई को यीशु का नाम जपने से वैसी ही सांत्वना मिल सकती है और अल्लाह का नाम जपने से एक मुस्लिम को वैसी ही तसल्ली मिल सकती है। इन सभी चीजों के समान निहितार्थ हैं और वे समान परिस्थितियों में समान परिणाम उत्पन्न करते हैं, लेकिन (नाम जप की) यह पुनरावृत्ति सिर्फ होंठो की अभिव्यक्ति नहीं होनी चाहिए बल्कि आपके अस्तित्व का हिस्सा होना चाहिए।

दिलचस्प बात यह है कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ही वे व्यक्ति हैं जिन्होंने हाल ही में गांधी का जिक्र करते हुए अपने श्रोताओं को गांधी के बलिदान, देश के लिए उनके कार्य, कैसे देश अब अपना रास्ता भटक चुका है तथा गांधी को महात्मा की उपाधि कैसे और क्यों मिली, के बारे में समझाया। शंकराचार्य खुले तौर पर और पूरी तरह से अपनी भूमिकाओं तथा स्थिति की परिभाषा से निश्चित रूप से धार्मिक हैं।

मंदिर के उद्घाटन के स्वरूप और वास्तविकता पर उनके बयान राजनीतिक ताकतों के सामने एक ताजा असंतोष लाते हैं जिन ताकतों ने असंतोष को मिटाने के लिए सब कुछ किया है। हमारे यहां राजनीति और धर्म का घालमेल है लेकिन जहां तक वे देश की अच्छी तरह से सेवा करते हैं। ऐतिहासिक रूप से शंकराचार्यों के विचार हमेशा प्रगतिशील नहीं रहे हैं और उन्होंने सामाजिक-धार्मिक सुधारों और सभी जातियों और वर्गों के लिए मंदिर-प्रवेश के मुद्दों पर गांधी की लड़ाई का स्वागत नहीं किया है।

अयोध्या मंदिर में श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा पर शंकराचार्य की असहमति पर भाजपा ने आक्रामक प्रतिक्रिया दी है। महाराष्ट्र से निर्वाचित केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने पूछा कि शंकराचार्यों ने हिंदू धर्म के लिए क्या किया है जबकि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोई भी भगवान राम से बड़ा नहीं हो सकता है।

कपूर्री ठाकुर का सम्मान या राजनीतिक एजेंडा

- प्रो रविकान्त

ब्रिटिश हुकूमत की मद्रास प्रेसीडेंसी में सबसे पहले 1921 में पिछड़ों के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। लेकिन तात्कालिक विरोध के चलते यह 1927 में लागू हुआ। दरअसल, मद्रास प्रेसीडेंसी में आरक्षण लागू करने का ठोस और बुनियादी कारण मौजूद था। इस प्रेसीडेंसी में ब्राह्मणों का वर्चस्व और पिछड़े-दलितों की बड़ी दयनीय स्थिति थी।

22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इसके 11 दिन पहले से मोदी दक्षिण भारत के तमाम मन्दिरों में घूम -घूमकर अनुष्ठान करने में लगे थे। मीडिया के जरिये इस अनुष्ठान को चुनावी माहौल में तब्दील कर दिया गया। भाजपा, संघ, विश्व हिन्दू परिषद और अनेक हिंदूवादी संगठनों ने इस आयोजन को देशव्यापी बना दिया। मीडिया ही नहीं तमाम राजनीतिक विश्लेषक भी ये कहने लगे थे कि राम मंदिर की लहर में मोदी को 2024 में रोकना नामुमकिन है। यानी हिंदुत्व के मुद्दे पर बीजेपी की जीत तय है। लेकिन 24 घंटे के भीतर नरेंद्र मोदी के एक ऐलान ने सबको चौंका दिया।

नरेंद्र मोदी ने जननायक कहे जाने वाले बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न देने का ऐलान किया। मंडल कमीशन से पहले, कपूर्री ठाकुर ने बिहार में ओबीसी आरक्षण लागू किया। उन्होंने ओबीसी को 30 फीसदी आरक्षण दिया और इसे पिछड़ा, अति पिछड़ा में विभाजित किया। अति पिछड़ा (लोवर ओबीसी) को 12 फीसदी और पिछड़ों (अपर ओबीसी) को 8 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया गया। इसे सामाजिक न्याय के कुशल फॉमूर्ले के तौर पर याद किया जाता है। अति पिछड़ा ; जिसमें कारीगर, हुनरमंद और दस्तकार तथा सेवादार जातियां आती हैं। ब्रिटिश राज में औद्योगिकीकरण के चलते इनकी आर्थिक स्थिति बहुत बदहाल हुई। इनके लिए अलग से आरक्षण का प्रावधान करके कपूर्री ठाकुर ने बड़ा काम किया था। इसलिए आज अतिपिछड़ा तबका उन्हें मसीहा के तौर पर देखता है।

कपूर्री ठाकुर को भारतरत्न दिया जाना सराहनीय है। लेकिन यहां कई सवाल उठते हैं। क्या यह वास्तव में कपूर्री ठाकुर का सम्मान है या छिपा हुआ राजनीतिक एजेंडा? क्या नागरिक सम्मानों के पीछे भी राजनीति होगी? जो काम बिहार में कपूर्री ठाकुर ने किया, वही काम तमिलनाडु में करुणानिधि ने किया। ऐसे में यह सवाल उठता है कि करुणानिधि को भारत रत्न क्यों नहीं? हालांकि कई और ऐसे नाम हैं, जिनके बारे में चर्चा हो सकती है।

लेकिन यहां मसला सामाजिक न्याय और आरक्षण के जरिए पिछड़ों के सशक्तिकरण का है। इसीलिए कपूर्री ठाकुर की तरह करुणानिधि की चर्चा जरूरी है। करुणानिधि की चर्चा इसलिए भी की जा रही है क्योंकि तमिलनाडु पहला राज्य है, जिसने सामाजिक न्याय के लिए पिछड़ों को सबसे पहले आरक्षण दिया।

ब्रिटिश हुकूमत की मद्रास प्रेसीडेंसी में सबसे पहले 1921 में पिछड़ों के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। लेकिन तात्कालिक विरोध के चलते यह 1927 में लागू हुआ। दरअसल, मद्रास प्रेसीडेंसी में आरक्षण लागू करने का ठोस और बुनियादी कारण मौजूद था। इस प्रेसीडेंसी में ब्राह्मणों का वर्चस्व और पिछड़े-दलितों की बड़ी दयनीय स्थिति थी। आंकड़ों के अनुसार मद्रास प्रेसीडेंसी में ब्राह्मण आबादी केवल 3.2 फीसदी थी, लेकिन (1912 में) 55फीसदी डिप्टी कलेक्टर, 72.6फीसदी जिला मुंसिफ और 83फीसदी उप न्यायाधीश पदों पर ब्राह्मण काबिज थे।

1921 की जनगणना के अनुसार तीन चौथाई ब्राह्मण शिक्षित थे। जबकि यहां पर देवदासी जैसी अमानवीय प्रथा मौजूद थी। जमीनों पर एक खास तबके का कब्जा था। दलितों-पिछड़ों का शोषण और उत्पीड़न होता था। इसके खिलाफ मद्रास प्रेसीडेंसी में 1915-16 में पिछड़ी जातियों के नेतृत्व में जस्टिस आंदोलन शुरू हुआ। इसे द्रविड़ आंदोलन भी कहा गया। सी. एन. मुलियार, टी. एन. नायर, त्यागराज चेट्टी जस्टिस आंदोलन के मजबूत स्तंभ बने। आगे चलकर जस्टिस आंदोलन एक राजनीतिक दल में तब्दील हो गया। 1920 में जस्टिस पार्टी ने पहला चुनाव जीता। देवदासी प्रथा को समाप्त किया गया। भूमि सुधार लागू किए गए।

दलितों की वंचना को गैर कानूनी घोषित किया गया। स्वतंत्रता के बाद बने मद्रास प्रान्त में 1954 में दलितों-पिछड़ों के लिए 41 फीसदी आरक्षण था। 1968 में मद्रास का नाम बदलकर तमिलनाडु हो गया। 1957 में पहली बार विधानसभा पहुंचने वाले करुणानिधि ने 13 बार जीत हासिल की। हमेशा अपराजेय रहने वाले करुणानिधि 1969 में पहली बार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने। 1990 में करुणानिधि ने 41 फीसदी आरक्षण को बढ़ाकर 69फीसदी कर दिया।

डीएमके नेता करुणानिधि ने तमिलनाडु में बहुत वैज्ञानिक ढंग से आरक्षण का निर्धारण किया। ओबीसी को 50 फीसदी आरक्षण दिया गया। इसको पिछड़ा और अति पिछड़ा में विभाजित किया गया। इनकी भी दो-दो अलग कैटेगरी बनाई गई। पिछड़ा को दो कैटेगरी में विभाजित किया गया। बीसी जनरल को 26.5 फीसदी और बीसी मुस्लिम को 3.5 फीसदी आरक्षण दिया गया। दूसरी कैटेगरी, मोस्ट बैकवर्ड क्लास के 20 फीसदी आरक्षण को दो भागों में विभाजित किया गया।

मोस्ट बैकवर्ड कम्युनिटीज को 13 फीसदी और डी नोटिफाईड कम्युनिटी को 7 फीसदी। इसी तरह अनुसूचित जाति के लिए 18 फीसदी आरक्षण को 15 और 3 फीसदी की दो कैटेगरी में बांटा गया। अनुसूचित जनजाति के लिए 01 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया गया। यानी कु ल मिलाकर 69 फीसदी आरक्षण तमिलनाडु में किया गया। ये आंकड़े गवाह हैं कि तमिलनाडु में सामाजिक न्याय के लिए बहुत स्पष्ट नियम और नीतियां बनाई गईं। इसीलिए यह सवाल पूछा जा रहा है कि-

पिछड़ा समाज से आने वाले और पिछड़ों के लिए सामाजिक न्याय को बड़ी मजबूती से लागू करने वाले करुणानिधि को भारत रत्न क्यों नहीं? क्या नागरिक सम्मान भी राजनीतिक जरूरत के हिसाब से दिए जाएंगे?

क्या लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर कपूर्री ठाकुर को सम्मान दिया गया? बिहार में बीजेपी की खिसकती जमीन को बचाने के लिए और खासकर अति पिछड़ों के बीच पैठ बरकरार रखने के लिए कपूर्री जी को भारत रत्न दिया गया है। यह महज छलावा है।

इसका प्रमाण यह है कि 1978 में जब कपूर्री ठाकुर ने आरक्षण लागू किया था तो भाजपा की पूर्व पार्टी जनसंघ ने उनकी सरकार को दिया गया समर्थन वापस ले लिया था और तमाम जनसंघियों ने खुलकर नारे लगाए थे-

ई आरक्षण कहां से आई, करपुरिया की माई बियाई!

जेल में बंद इमरान खान अब भी चुनौती

- तीर्थंकर मित्र

भारत में, यह देखा गया है कि एक प्रधानमंत्री की हत्या या उन्हें अन्याय का शिकार बनाने पर उत्पन्न सहानुभूति के कारण मतदाताओं की एक बड़ी संख्या उनकी पार्टी या वारिस को समर्थन देते हैं। यह देखना बाकी है कि क्या पाकिस्तान में मतदाता खेल के क्षेत्र में देश को बार-बार गौरवान्वित करने वाले व्यक्ति की कारावास के फैसले पर इसी तरह प्रतिक्रिया देते हैं या नहीं।

8 फरवरी को पाकिस्तान में नयी संसद के चुनाव के लिए राष्ट्रीय चुनाव होंगे। लेकिन गणना के दिन तक की प्रक्रिया पिछले चुनावी अवसरों के समान उल्लेखनीय समानताओं और कुछ मतभेदों के साथ एक फीकी स्थिति बन गई है।

परिदृश्य में आये कुछ नये लोगों का मानना है कि यह अवसर चुनावी नतीजों की अनिश्चितता से जुड़ा है। दूसरी ओर, पारंपरिक ज्ञान ने परिवर्तन की किसी भी संभावना को खारिज कर दिया है और महसूस किया है कि चुनाव परिणाम की भविष्यवाणी करना स्पष्ट रूप से बहुत आसान काम नहीं है, लेकिन वास्तव में यह पहले से ही ज्ञात है।

राजनीतिक दल चुनावी मैदान में हैं। कुछ पुराने लोगों के नये अवतार भी हैं। उनका नेतृत्व परिचित हस्तियों द्वारा किया जाता है, जबकि अन्य को दलबदलुओं द्वारा एक साथ मिला लिया गया है। एक राजनीतिक दल के प्रयासों को सीमित करने के लिए प्रतिष्ठान का हस्तक्षेप अतीत की नकल करता है। यदि इस बार पीटीआई है, तो पिछले चुनाव में यह पीएमएल-एन थी। चुनाव अभियान भी परिचित मुद्दाविहीन चरित्र धारण करता है।अब बदलाव का समय महसूस किया जा रहा है। चुनाव पाकिस्तान के अब तक के सबसे गंभीर आर्थिक संकट की पृष्ठभूमि में हो रहे हैं। जनसंख्या, जिसमें मतदाता भी शामिल हैं, पहले से कहीं अधिक बदतर स्थिति में हैं क्योंकि जीवनयापन की लागत में वृद्धि, बेरोजगारी और गरीबी का स्तर लगातार बढ़ रहा है।

बिजली की कमी ने स्थिति और खराब कर दी है। यह जानने के लिए कि मतदाता अपनी आर्थिक दुर्दशा का श्रेय किसे देते हैं, मतपेटी की लड़ाई के नतीजे का इंतजार है। पाकिस्तान में किसी भी चुनाव से पहले ध्रुवीकृत राजनीतिक माहौल कोई नई बात नहीं है। लेकिन आज इसकी सीमा अभूतपूर्व रूप से लोगों और समाज को पक्षपातपूर्ण आधार पर विभाजित कर रही है, जिससे राजनीतिक विरोधियों के प्रति सहिष्णुता पिछले चुनाव की तुलना में कम हो गई है। राजनीतिक चचाओं में एक जहरीले इंजेक्शन के बाद बहस को कमजोर कर दिया गया है। चुनाव प्रचार धीमे स्वर में चल रहा है, जो पाकिस्तान में पिछले चुनावों के उत्सवी मूड के विपरीत है।गैलप और गिलानी के जनमत सर्वेक्षण के अनुसार, 40प्रतिशत से अधिक पाकिस्तानियों ने अपने पड़ोस में गायब बैनर और पोस्टरों की ओर इशारा किया है। घर-घर अभियान में पार्टी के उम्मीदवारों द्वारा पांच में से केवल एक का प्रचार किया गया है।

युवा मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो देश की जनसंख्या संरचना का प्रतिबिंब है। 2018 में 460 लाख से अधिक की तुलना में युवा मतदाताओं की संख्या बढ़कर 570 लाख हो गई है। तकनीक प्रेमी होने के कारण, युवा मतदाताओं द्वारा उन पार्टियों का समर्थन करने की संभावना है जो सोशल मीडिया अभियानों में सबसे अधिक कुशल हैं। ऐसा लगता है कि सोशल मीडिया अभियान आजकल आम बात हो गई है, जिसमें पीटीआई अभियान दूसरों से आगे बढ़ गया है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान के चुनाव आयोग द्वारा चुनाव चिह्न देने से इनकार करने के कारण पीटीआई के उम्मीदवारों ने अपरीक्षित प्रचार तरीकों को अपना लिया है, जिनकी प्रभावशीलता चुनाव के बाद देखी जायेगी।

शिक्षा से ही खत्म होगी बाल विवाह की बुराईः शंकरदयाल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जनकल्याण शिक्षण प्रसार समिति के संयोजक शंकरदयाल ने सामाजिक बुराई बाल-विवाह को खत्म करने को पहल की है। उन्होंने शिक्षा अधिनियम के तहत 14 साल की उम्र तक बच्चों को शिक्षा मुफ्त का नियम बताते हुए गरीब परिवारों की बेटियों की आगे की पढ़ाई कराने पर जोर दिया। कहा कि ऐसी बच्चियों का बाल विवाह कर दिया जाता है।

बाल विवाह पर रैली निकालते बच्चे।

रविवार को जनकल्याण शिक्षण प्रसार समिति के संयोजक शंकरदयाल ने रघुवीर प्रसाद कन्या इंटर कालेज पहाडी, मानिकपुर ब्लाक के सरैंया के घाटी कोलान व ज्ञान भारती इंटर कालेज कर्वी में बाल विवाह के खिलाफ अभियान चलाया। आजादी से पहले व बाद में निरंतर प्रयास हो रहे हैं कि सामाजिक बुराई खत्म हो सके, ये समाज में आज भी जारी है। समूह उन्मूलन को जरूरी है कि बच्चों खासतौर पर बच्चियों को शिक्षित किया जाए। उनका कौशल विकास किया जाए। शिक्षा से ही बाल विवाह जैसी बुराइयां खत्म हो सकती हैं। कम उम्र की लड़कियों को बाल विवाह से शारीरिक व मानसिक पीड़ा होती है।

भारत सरकार समय-समय पर बाल विवाह के खिलाफ कडे कदम उठाती है। एक बार फिर ये मुहिम चलाई जा रही है। सरकार ने कानूनी तौर पर बाल विवाह रोकने को मुहिम छेड़ी है, जो सराहनीय है। बाल विवाह देश के हर राज्य में पैर पसारे है। बाल विवाह सामाजिक बुराई को खत्म करने को शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है। 18 साल की उम्र तक शिक्षा मुफ्त अनिवार्य करना ब्रह्मास्त्र साबित होगा। बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई के उन्मूलन को कई स्तरों पर एक साथ कदम उठाना होगा।

शास्त्रीनगर में चला स्वच्छता अभियान

मोहल्लेवासियों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। शहर को साफ-स्वच्छ रखने की गरज से नगर पालिका परिषद ने स्वच्छता अभियान चला रही है। पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता के निर्देश पर सफाई निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला ने शास्त्रीनगर में विशेष साफ-सफाई के कार्य सफाई नायक महफूज व वार्ड मेम्बर शंकर यादव की मौजूदगी में किया।

रविवार को मोहल्ले की जिन बस्तियों में खाली प्लाट हैं, वहां आसपास के लोग कूड़ा डालते हैं। मोहल्ले में गंदगी फैलती है। संक्रामक बीमारियों का खतरा बना है। मुहल्लेवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करते हुए कहा कि नगर पालिका की कूड़ा गाड़ी हर मोहल्ले में आती है। सब लोग सवेरे घर की साफ-सफाई कर कूड़ा गाडी में कूड़ा डालें, ताकि मोहल्ले में साफ-सफाई बनी रहे। शास्त्रीनगर में बालाजी डेयरी की गली में दयाशंकर त्रिपाठी कानूनगो के घर के पास खाली प्लॉट पर भीषण गंदगी थी, जिसकी साफ-सफाई हुई। सभी लोगों को खाली प्लाट में कूड़ा न डालने के प्रति जागरूक किया। इस मौके पर मोहल्ले के दिवाकर सिंह, अनिल सिंह, धीरेंद्र सिंह, दयाशंकर त्रिपाठी, महादेव मिश्रा, रामेश्वर, राजेंद्र सिंह, सरजू पांडेय आदि मौजूद रहे। सफाई निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश के प्रधानमंत्री लगातार स्वच्छता पर जोर दे रहे हैं। स्वस्थ भारत-स्वस्थ चित्रकूट बनाने को स्वच्छता जरूरी है।

सफाई करते पालिका कर्मी।

नये बीडीओ ने संभाला कार्यभार

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। मानिकपुर ब्लाक के नवागंतुक बीडीओ पीयूष त्रिपाठी ने मातहतों से कहा कि शासकीय योजना के कार्य पारदर्शिता से सभी पात्रों को लाभ पहुंचायें। मनरेगा, पेंशन, आवास, गौशाला आदि कार्यों में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नवागंतुक बीडीओ पीयूष त्रिपाठी ने ब्लाक का कार्यभार संभालते हुए कहा कि सभी कार्यों में पारदर्शिता बरती जायेगी। मातहतों से कहा कि कार्यशैली में बदलाव लायें, शासन की मंशानुसार ही कार्य होंगे। सभी पात्रों को जल्द लाभ पहुंचाने के कार्य किये जायेंगे। इसमें कोताही नहीं बरती जायेगी।

बीडीओ पीयूष त्रिपाठी।

जांच दबाने में जुटे उपायुक्त श्रम रोजगार

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ के जीरो टॉलरेंस की नीतियां जिले में दम तोड़ती दिख रही हैं। जिम्मेदार अधिकारियों ने शासन नियमावली को दर-किनार कर कार्य कर रहे हैं। विकास कार्यों में फजीर्वाडा करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की बजाय मेहरबानी की जा रही है।

ऐसा ही एक मामला मऊ ब्लाक के ददरी गांव का सामने आया है। बताया गया कि मऊ ब्लाक के ददरी गांव में मनरेगा से कराये कार्यों में धांधली की गई है। प्रधान-सचिव की मिलीभगत से मनरेगा में बिना कार्य के ही सरकारी धन का गबन

मनरेगा में बिना कार्य के हुआ था भुगतान

हुआ है। ग्रामीणों ने जिम्मेदार अधिकारियों से शिकायत की थी। जांच को उपायुक्त श्रम रोजगार ददरी गये थे। उपायुक्त को जांच में धांधली मिली थी। गांव में मेडबंदी व समतलीकरण के नाम पर फजीर्वाड़ा हुआ है। मौके पर कार्य नहीं हुए। फजीर्वाड़ा कर भुगतान कर सरकारी धन का बंदरबांट हुआ है। उपायुक्त श्रम रोजगार ने सजातीय प्रधान के खिलाफ कार्यवाही की बजाय जांच को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। सूत्र बताते हैं कि उपायुक्त श्रम रोजगार को जिले में राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मिलीभगत कर सजातीय होने का लाभ उठा रहे हैं। जनप्रतिनिधियों से जिला प्रशासन के अधिकारियों पर दबाव बनवा रहे हैं। जिसके चलते जनप्रतिनिधि अधिकारियों पर धौंस से कार्य करवाना चाहते हैं। मजे की बात ये है कि एक ओर सरकार सबका साथ सबका विकास की नीतियों से कार्य का दावा कर रही है, दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारियों ने सजातीय जनप्रतिनिधियों के संरक्षण के बूते जनकल्याणकारी योजनाओं में पलीता लगा रहे हैं। देखना है कि जिला प्रशासन ददरी गांव में मनरेगा में हुए सरकारी धन के गबन की जांच कर कार्यवाही करेगा या नहीं।

युवकों ने की छात्रा से अश्लील हरकत

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कर्वी कोतवाली के रगौली स्थित मेडिकल व डिग्री कॉलेज से लौट रहे ऐंचवारा गांव के चचेरे भाई- बहन ने बताया कि बाइक से प्रतिदिन की भांति लौट रहे थे। कसहाई मार्ग पर पीछे से बाइक पर आए दो युवकों ने अश्लील इशारा शुरू किया। उनकी बाइक के पास आकर छात्रा पर टिप्पणी की। आरोप लगाया कि बाइक सवार युवक ने उसका दुपट्टा खींच लिया।

रविवार को ये घटना हुई। बताया गया कि दुपट्टा खींचने से वह भाई समेत सड़क पर गिर गई। बाइक सवार ने पहिये से पैर पर ठोकर मार दी। उसके पैर में चोट आ गई। दोनों के सड़क पर गिरते ही आसपास के लोग एकत्र हो गए। मेडिकल कॉलेज के शिक्षक को लोग पहचानते थे। दोनों को लोग सड़क से उठाने लगे। पीछे मौजूद दोनों युवक कंचन व जयराज बाइक से भाग निकले।

सूचना पर रगौली चौकी व कोतवाली पुलिस टीम पहुंची। घायल भाई-बहन को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। कोतवाल अजीत कुमार पांडेय ने बताया कि तहरीर पर आरोपी कंचन व जयराज पर रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने दबोचा एक वारंटी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरूण कुमार सिंह ने निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में थानाध्यक्ष भरतकूप सूबेदार बिन्द की अगुवाई में दरोगा बालकिशुन ने आबकारी अधिनियम के वारंटी अनिरूद्ध उर्फ कल्लू प्रजापति निवासी बरूई मजरा पहरा को गिरफ्तार किया। टीम में दरोगा बालकिशुन, दीवान कल्लू खां शामिल रहे।

सिक्योरिटी गार्ड भर्ती में हुई धांधली

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मुख्य चिकित्साधिकारी अधिकारी कार्यालय में 30 सिक्योरिटी गार्ड की भर्ती में बडे पैमाने पर धांधली हो रही है। मानक के अनुरूप भर्तियां नहीं की गयी। रविवार को सीएमओ कार्यालय में भर्ती घोटाले का खुलासा हुआ। बताया गया कि प्रत्येक सिक्योरिटी गार्ड से दो-दो लाख रुपये की मांग हुई थी। प्राइवेट संस्था समृद्धि पुरवा इंफोटेक प्रालि लखनऊ के माध्यम से भर्तियां की गई हैं। सीएमओ कार्यालय में तैनात कुछ कर्मचारियों ने बिना कंपनी के जानकारी के पैसों का लेनदेन किया है। बिना सेवायोजन में विज्ञप्ति प्रकाशन के भर्तियां की गई हैं। जिलाधिकारी कार्यालय के कुछ लिपिकों ने लेन-देन कर भर्तियां कराई हैं। जिलाधिकारी कार्यालय के एक मास्टर माइंड लिपिक के रहमोकरम पर पूरा खेल हुआ है। जिम्मेदार इन बातों से अनजान बन रहे हैं।

गरीब-मजलूमों की आवाज बुलंद करना ही है पत्रकारिताः सत्यप्रकाश

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पत्रकार समाज कल्याण समिति ने राजापुर तहसील स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के बगल में नवीन कार्यालय का शुभारम्भ किया।

रविवार को कार्यालय का शुभारंभ चित्रकूट प्रेस क्लब जिलाध्यक्ष सत्यप्रकाश द्विवेदी ने मां सरस्वती चित्र पर दीप जलाकर किया। संचालन करते हुए मुकेश तिवारी व प्रकाश ओझा ने पत्रकारों व अतिथियों को रोली-चंदन लगाकर स्वागत किया। जिला प्रभारी मुकेश तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजभान बघेल ने ये संगठन खड़ा किया है। सभी पत्रकारों का कर्तव्य है कि इस पेड़ की देखरेख करें। ये संगठन सात राज्यों में 17 हजार पत्रकारों ने आगे बढ़ाया है। चित्रकूट जिलाध्यक्ष रामचंद्र तिवारी की अगुवाई में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करवाना है। पत्रकारों ने भी बदलते दौर में पत्रकारिता की चुनौतियों पर रोशनी डाली। चित्रकूट प्रेस क्लब जिलाध्यक्ष सत्यप्रकाश द्विवेदी व रामचन्द्र तिवारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर नवीन कार्यालय का शुभारम्भ किया। सत्यप्रकाश द्विवेदी ने कहा कि आज पत्रकारिता पहले जैसे नहीं रही, वर्तमान में ये जोखिम भरी है। निष्पक्ष पत्रकारिता करना बड़ी चुनौती है। प्रतिकूल हालातों के बाद भी निष्पक्ष कलम चलाकर गरीबों-मजलूमों की आवाज बुलंद करना ही सच्ची पत्रकारिता है। पत्रकार समाज कल्याण समिति के जिला संरक्षक डॉ प्रभाकर सिंह ने अतिथियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में पत्रकार समाज कल्याण समिति जिलाध्यक्ष रामचंद्र तिवारी, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश पटेल, सुरेश तिवारी, डॉ बैजनाथ, अभिषेक ओबेरॉय, सरवन पटेल, हरबंस द्विवेदी, जन्मेजय शुक्ला, प्रमोद मिश्रा, घनश्याम द्विवेदी, गनेश शुक्ला, कमलेश सोनी, श्याम सुंदर मिश्रा, महेश कुमार, हरीनारायण पाण्डेय, लालता प्रसाद यादव, पूर्व प्रधान कौशल किशोर शुक्ला, ओमप्रकाश यादव, लल्लू मोदनवाल आदि मौजूद रहे।

नये कार्यालय में मौजूद पत्रकार।

पुलिस गिरफ्त में हत्यारोपी।

गैर इरादतन हत्या के तीन आरोपी दबोचे

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरूण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों की धरपकड़ को जारी अभियान में एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ मऊ जयकरन सिंह की देखरेख में थानाध्यक्ष मारकुण्डी मनीष कुमार की अगुवाई में टीम ने गैर इरादतन हत्या के तीन नामजद आरोपियों को घटना में प्रयुक्त दो बंडल लोहे के तार व लकड़ी समेत गिरफ्तार किया। ज्ञात है कि 25 जनवरी को मारकुंडी थाने के अमचुरनेरुआ गांव के फूलचन्द्र पुत्र मोहन कोल ने थाने में सूचना दी कि प्रधान उर्फ रामनरेश कोल पुत्र कैरा कोल, राजकुमार पुत्र चुक्की निवासी छेरिया बुजुर्ग तथा लवलेश कोल पुत्र दादूभाई निवासी कल्याणपुर छेरिया बुजुर्ग के कैरा के खेतों में जंगली जानवारों का शिकार करने को करंट के तार बिछाये थे। जिनमें फंसकर उसकी भाभी श्रीमती शांति पत्नी रामकुशल कोल की मृत्यु हो गयी है। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला प्रधान, राजकुमार, लवलेश आदि पर दर्ज किया। थानाध्यक्ष मारकुण्डी की टीम ने रविवार को प्रधान, राजकुमार, लवलेश को घटना में प्रयुक्त दो बंडल लोहे के तार व तार बिछाने में प्रयोग की गयी छह लकडियां बरामद कर गिरफ्तार किया। टीम में थानाध्यक्ष मारकुण्डी मनीष कुमार, सिपाही सतीश कुमार व प्रद्युमन दुबे शामिल रहे।

गौशाला निरीक्षण में विहिप को मिले मृत गौवंश

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने लोढवारा गांव की गौशाला में निरीक्षण में मृत गौवंश पाये। जिलाधिकारी के कडे आदेश व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद भी एसडीएम व संबंधित अधिकारी गौवंशों के संरक्षण को पलीता लगा रहे हैं। जिला मुख्यालय से सटे लोढवारा गांव में गौवंशों की दुर्दशा देखने को मिली। प्रधान-सचिव गौवंशों की देखरेख में रुचि नहीं ले रहे। लोढवारा गांव की गौशाला की भयावह दशा तकरीबन जिले की सभी गौशालयों की है। प्रशासन को सभी गौशालाओं का ईमानदारी से औचक निरीक्षण करना चाहिए, ताकि लापरवाही बरतने वाले प्रधान व सचिवों तथा जिम्मेदार अधिकारियों पर कडी कार्यवाही हो सके। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने लोढवारा की गौशाला में मृत गौवंशों को लेकर धरना - प्रदर्शन की चेतावनी दी है। विहिप के नीरज केशरवानी ने कहा कि गौवंशों की दशा सुधारने को प्रशासन को पहल करनी चाहिए।

मृत गौवंश।

कामतानाथ परिक्रमा में जारी है स्वच्छता अभियान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कामतानाथ परिक्रमा मार्ग में 102वां स्वास्थ्य समिति ने अभियान चलाया। ये अभियान कामतानाथ परिक्रमा मार्ग से बिरजाकुंड तक चला।

रविवार को नगर पालिका ईओ लालजी यादव ने कहा कि स्वच्छ तीर्थ अभियान पौराणिक स्थलों की सफाई को विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान से कामतानाथ परिक्रमा को स्वच्छ व सुंदर बनाया जा रहा है। कामदगिरि स्वच्छता समिति अध्यक्ष राकेश केसरवानी ने कहा कि स्वच्छ तीर्थ अभियान से कामतानाथ परिक्रमा में नियमित स्वच्छता अभियान जारी है। आसपास के दुकानदारों को भी स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया। स्वच्छ भारत मिशन के जिला प्रबंधक शिवा कुमार ने कहा कि स्वच्छता को लेकर खुद जिम्मेदार होना चाहिए।

चित्रकूट जैसी पौराणिक जगह पर परिक्रमा करते समय स्वच्छता का विशेष ध्यान देना चाहिए। पॉलीथिन का प्रयोग नहीं करना चाहिए। खाद्य एवं सफाई निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला ने कहा कि स्वतः विचार करें कि पौराणिक स्थलों पर जायें तो वहां स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। अभियान में राजेंद्र त्रिपाठी, वार्ड मेम्बर शुभम केशरवानी, मनोज कुशवाहा, हनुमान दास, अंकुर केसरवानी, जानकी कुशवाहा, विनोद कुमार आदि ने सहयोग किया।

स्वच्छता अभियान चलाते समिति के लोग।

डीपीआरओ कार्यालय के लिपिक बने भ्रष्टाचारियों के सहयोगी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में तैनात वरिष्ठ सहायक जगदीश वर्मा व कनिष्ठ लिपिक सुरेन्द्र कुमार चतुवेर्दी उर्फ कल्लू की मनमानी सिर चढ़ कर बोल रही है। भ्रष्टाचारियों को बचाने को हर हदें पार करते दिख रहे हैं। रविवार को डीपीआरओ कार्यालय के लिपिकों का भ्रष्टाचारियों को बचाने का खुलासा हुआ है। बताया गया कि गांवों में विकास कार्यों में हुई धांधली की शिकायत डीपीआरओ कार्यालय आती है, उस शिकायत पर प्रधान व सचिव के खिलाफ कार्यवाही होती है। कार्यवाही को दबाने में इन लिपिकों का हाथ रहता है। इससे प्रधान व सचिव पर कोई कार्यवाही नहीं हो पाती। सदर ब्लाक कर्वी के धौरहीमाफी गांव में मनरेगा से मेडबंदी व समतलीकरण के नाम पर फर्जी ढंग से भुगतान हुए थे। कार्य न होने से किसान ने खुद ट्रैक्टर से खेत का समतलीकरण किया था। जांच बैठी तो सचिव संगीता कुशवाहा के विरुद्ध कार्यवाही डीपीआरओ कार्यालय में दफन हो गई। दूसरी ओर सदर ब्लाक कर्वी में चंद्रगहना गांव में सामुदायिक शौचालय निर्माण में धांधली की थी। विद्यालय की चहारदीवारी पर सामुदायिक शौचालय की दीवार खड़ी की थी। सामुदायिक शौचालय में टैंक निर्माण नही कराया। निर्माण कार्य इतना घटिया था कि समय से पहले जर्जर हो गया। सामुदायिक शौचालय निर्माण में पूर्व जिलाधिकारी ने रोक लगाई थी। निर्माण कार्य अन्य जगह कराने के आदेश दिए थे। सचिव अनिल सिंह ने मनमानी कर सामुदायिक शौचालय निर्माण कराया था, जांच हुई थी, कार्यवाही के आदेश हुए थे, लेकिन ये जांच भी ठंडे बस्ते में पड़ी है। यही आलम मानिकपुर ब्लाक के कोठिलिहाई गांव में देखने को मिला। सामुदायिक शौचालय निर्माण बिना पूर्ण हुए भुगतान हो गया था। हैंडपंप रीबोर के नाम पर फजीर्वाड़ा हुआ था। शिकायत पर जांच हुई थी, लाखों रुपए बंदरबांट सामने आया था। पूर्व सचिव पर आज तक कार्यवाही नहीं हुई। डीपीआरओ कार्यालय लिपिक सुरेन्द्र कुमार चतुवेर्दी उर्फ कल्लू ने मंजूरी के नाम पर फजीर्वाड़ा कर मनमानी ढंग से सरकारी धन का बंदरबांट करवा रहे हैं। सप्लायरों से मनमानी ढंग से वसूली हो रही है। वरिष्ठ सहायक जगदीश वर्मा ने सचिवों के विरुद्ध हुई कार्यवाही दबाने का काम कर रहे हैं। सफाई कर्मी से मनमानी ढंग से वसूली की जा रही है।

विधायक अब्बास अंसारी पर रासुका निरस्त, हाई कोर्ट ने किया फैसला

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पूर्वांचल के माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी की याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अब्बास अंसारी पर की गई रासुका की कार्रवाई निरस्त कर दिया है।

रविवार को विधायक अब्बास अंसारी पर चित्रकूट जेल में बंद रहने दौरान धन व राजनीतिक प्रभाव के चलते जेलकर्मियों को धमकी देकर जेल में व्यवस्था को नियंत्रण में लेने और अवैध धन वसूली के आरोप थे। ये भी आरोप हैं कि उसने जेलकर्मियों को डरा-धमकाकर जेल की व्यवस्था बिगाड़ी थी। अब्बास अंसारी की बीवी निखत अंसारी उससे मिलने प्रत्येक दिन जेल में बिना रोक-टोक आती थी।

विधायक अब्बास अंसारी।

अब्बास अंसारी पर आरोप है कि भय से अधिकारी- कर्मचारी कुछ बोलते नहीं थे। इस मामले में अब्बास अंसारी पर दस फरवरी 2023 को रिपोर्ट दर्ज हुई थी।

इसके बाद एसपी की आख्या पर डीएम ने अब्बास अंसारी पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई कर उसे रासुका में निरुद्ध करने का आदेश जारी किया था। इस आदेश के खिलाफ अब्बास अंसारी ने याचिका दाखिल की थी। जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्र व जस्टिस एसएएच रिजवी की डिवीजन बेंच में मामले की सुनवाई हुई।

जेल में छापेमारी दौरान अब्बास अंसारी पत्नी संग अवैध ढंग से मुलाकात करते मिले थे। इस मामले में जेल के कई पुलिसकर्मियों की मिलीभगत सामने आई थी। इसके बाद अब्बास को कासगंज जेल भेजा गया था। एसपी की रिपोर्ट पर डीएम ने अब्बास अंसारी के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की थी। अब्बास अंसारी के हाईकोर्ट के अधिवक्ता सौभाग्य मिश्रा ने बताया कि दो फरवरी को रासुका की कार्यवाही हुई थी। जिसे हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया।

जर्मनी में राजनीतिक पार्टी बनाने की क्या शर्तें हैं

जर्मनी में रहने वाला कोई भी शख्स अपनी राजनीतिक पार्टी बना सकता है, यहां तक कि विदेशी मूल के लोग भी. लेकिन इसके लिए कुछ जरूरी शर्तें पूरी करनी पड़ती हैं. जर्मनी में कोई भी वयस्क नागरिक मतदान में हिस्सा ले सकता है, किसी पार्टी में शामिल हो सकता है, चुनाव में खड़ा हो सकता है या अपनी पार्टी बना सकता है. इसके लिए देश की सरकार से अनुमति लेने की जरूरत नहीं होती. हालांकि, पार्टी का गठन करने वालों के लिए लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों का पालन करना जरूरी होता है.

विदेशी लोग भी जर्मनी में अपनी पार्टी बना सकते हैं, लेकिन कार्यकारी समिति और सदस्यों में अधिकांश जर्मन नागरिक होने चाहिए. इसके अलावा, पार्टी का मुख्यालय या प्रबंधन जर्मनी में होना चाहिए. अगर ऐसा नहीं होता है, तो इस समूह को पार्टी के बजाय राजनीतिक संघ माना जाता है और यह किसी चुनाव में अपने उम्मीदवार नहीं उतार सकता.

किसी पार्टी की स्थापना से जुड़े दिशानिर्देश जर्मनी के संविधान (बेसिक लॉ) और जर्मन नागरिक संहिता में निर्धारित किए गए हैं. ये निर्देश नागरिकों के अधिकारों और एक-दूसरे के प्रति उनके दायित्वों को परिभाषित करते हैं.

राजनीतिक दल अधिनियम, किसी राजनीतिक पार्टी के भीतर की प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है. यह पार्टियों को ह्यउन नागरिकों के संघों के रूप में परिभाषित करता है, जो राजनीतिक निर्णय प्रभावित करना चाहते हैं और जर्मन संसद के निचले सदन बुंडेस्टाग या राज्य विधानसभाओं में लोगों के प्रतिनिधि के तौर पर भाग लेना चाहते हैं.'

सदस्यों की संख्या

किसी पार्टी का गठन दो तरीकों से किया जा सकता है. एक तरीका यह है कि किसी मौजूदा संगठन को पार्टी में तब्दील कर दिया जाए, या नई पार्टी का गठन किया जाए. संस्थापक सदस्यों की कोई न्यूनतम संख्या तय नहीं की गई है. हालांकि, किसी पार्टी की कार्यकारी समिति में कम-से-कम तीन लोग होने चाहिए. राजनीतिक दल अधिनियम के तहत भी पार्टी सदस्यों की न्यूनतम संख्या तय नहीं की गई है. हालांकि, किसी भी संघ को अपने संगठन के आकार और जनाधार, सदस्यों की संख्या और सार्वजनिक प्रोफाइल के माध्यम से गंभीरता की गारंटी देनी होती है. साथ ही, नई पार्टी का नाम और उसका संक्षिप्त नाम भी मौजूदा पार्टियों से अलग होना चाहिए.

किसी नई पार्टी की शुरूआती बैठक के लिए नियम होते हैं, जिसमें पार्टी के कार्यक्रम तय किए जाते हैं. इसमें पार्टी के लक्ष्य, सिद्धांत और संगठन के अंदरूनी नियम शामिल होते हैं. इसके अलावा, कार्यकारी समिति को गुप्त मतदान के जरिए लोकतांत्रिक तरीके से चुना जाना चाहिए.

चुनाव में भाग लेना

फेडरल रिटर्निंग अधिकारी देश में होने वाले राजनीतिक चुनावों की रूप-रेखा तय करते हैं और उसे संपन्न कराते हैं. इस दौरान यह सत्यापित किया जाता है कि किसी पार्टी की स्थापना से जुड़े दस्तावेज राजनीतिक दल अधिनियम की शर्तों को पूरा करते हैं. उन दस्तावेजों को अन्य सभी मौजूदा पार्टियों के दस्तावेजों के साथ इकट्ठा किया जाता है और सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध कराया जाता है.

बाइडेन दक्षिण कैरोलिना में डेमोक्रेटिक प्राइमरी में विजयी

कोलंबिया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने दक्षिण कैरोलिना में डेमोक्रेटिक प्राइमरी में जीत हासिल की। बाइडेन ने शनिवार को मिनेसोटा प्रतिनिधि डीन फिलिप्स और लेखक मैरिएन विलियमसन समेत कई डेमोक्रेट को हरा दिया।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, जो बाइडेन ने इस चुनाव में अच्छी जीत हासिल की है। इस जीत से उन्हें मुख्य चुनाव में मदद मिलने की उम्मीद है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चुनावी अभियान में भारी निवेश किया है। इसका मकसद अधिकतम वोट हासिल करना है। काले मतदाताओं पर खासकर उनकी नजर है। यहां ब्लैक वोटर्स निर्णायक भूमिका में हैं। बाइडेन को उम्मीद है कि दक्षिण कैरोलिना उन्हें एक बार फिर व्हाइट हाउस भेजेगा। बाइडेन ने कहा है, "मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि आपने हमें फिर से राष्ट्रपति पद जीतने और डोनाल्ड ट्रम्प को फिर से हारने वाला बनाने की राह पर खड़ा कर दिया है।"

इस रिपोर्ट के अनुसार, मिनेसोटा के प्रतिनिधि डीन फिलिप्स ने अपने अभियान पर लाखों रुपये खर्च किए। इसके बावजूद बाइडेन ने दक्षिण कैरोलिना को लगभग अपनी मुट्ठी में कर लिया। एक तिहाई से अधिक मतों की गणना में बाइडेन को लगभग 97 प्रतिशत वोट मिले।

नेपाल : भ्रष्टाचार के मामले में दो पूर्व संचार मंत्रियों पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

काठमांडू। नेपाल में सत्तारूढ़ गठबंधन के घटक नेपाली कांग्रेस के दो बड़े नेताओं पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी है। टेलीकॉम विभाग में भ्रष्टाचार के मामले की जांच के लिए गठित आयोग ने इन दो पूर्व संचार मंत्रियों को बयान के लिए तीसरी बार पत्र भेजा है। पहले दो बार पत्र भेजने के बाद भी बयान के लिए हाजिर नहीं होने पर दोनों को गिरफ्तार करने की चेतावनी दी गई है। नेपाल सरकार के संचार मंत्रालय अन्तर्गत टेलीकॉम विभाग में एक प्रविधि की खरीद में व्यापक आर्थिक अनियमितता होने की ह्यअख्तियार दुरुपयोग अनुसंधान आयोगह्न जांच कर रहा है। तत्कालीन सरकार में ज्ञानेन्द्र कार्की और मोहन बस्नेत संचार मंत्री रह चुके हैं। मोहन बस्नेत वर्तमान सरकार में स्वास्थ्य मंत्री हैं। दोनों नेताओं पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए इन्हें बयान के लिए बुलाया गया है। जांच एजेन्सी के आयुक्त जय बहादुर चन्द ने कहा कि बार-बार पत्र भेज कर बयान देने के लिए बुलाए जाने पर भी दोनों नेता हाजिर नहीं हुए हैं। आयुक्त चन्द ने बताया कि यदि इस बार भी बयान देने के लिए हाजिर नहीं हुए तो कानूनी प्रावधान के तहत दोनों की गिरफ्तारी का वारंट जारी करने की बाध्यता होगी। चन्द ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि जांच में सहयोग करते हुए इस बार दोनों ही नेता अपना बयान देने जरूर हाजिर होंगे। दरअसल, टेलीकॉम विभाग के लिए ह्यटेलिकम्युनिकेसन ट्राफिक मॉनिटरिंग एंड फ्रॉड कन्ट्रोल सिस्टमह्न (टेरामैक्स) की खरीद में 70 करोड़ रुपये की अनियमितता होने का दावा किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रविधि की आवश्यकता नहीं होने की बात कहते हुए इसकी प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी, लेकिन तब तक राजकोष से 70 करोड़ रुपये खर्च हो चुके थे। इस प्रकरण में दोनों तत्कालीन संचार मंत्रियों की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। इस टेरामैक्स की खरीद के लिए 70 करोड़ रुपये खर्च करने की अनुमति इन्हीं दोनों मंत्रियों ने दी थी।

अमेरिका, ब्रिटेन ने यमन में हूती के ठिकानों पर किया ताबड़तोड़ हमला

सना (यमन)। संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन में आतंकवादी संगठन हूती के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमले शुरू कर दिए हैं। दोनों देशों ने हूती नियंत्रित यमन में शनिवार को बड़े पैमाने पर सैन्य हमले किए।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन ने उत्तरी यमन में 13 स्थानों पर 36 हूती ठिकानों को निशाना बनाया है। इससे करीब 24

घंटे पहले अमेरिका ने सीरिया और इराक में सात स्थानों पर ईरानी बलों और उनके द्वारा समर्थित मिलिशिया के खिलाफ हमला किया था।

अमेरिकी और ब्रिटिश युद्धक विमानों के साथ नौसेना की टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों ने हूती की हथियार भंडारण केंद्रों को निशाना बनाया। यह हमले ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, डेनमार्क, कनाडा, नीदरलैंड और न्यूजीलैंड की मदद से किए गए।

नामीबिया के राष्ट्रपति डॉ. हेग जी. गेनगोब नहीं रहे

विंडहॉक। नामीबिया के राष्ट्रपति डॉ. हेग जी. गेनगोब का 82 वर्ष की आयु में निधन हो गया। राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, गेनगोब ने रविवार को अस्पताल में आखिरी सांस ली। कुछ हफ्ते पहले ही उन्हें कैंसर से पीड़ित पाया गया था। डॉ. नांगोलो मबुम्बा को नामीबिया गणराज्य का कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किया गया है।

नाबीबिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक्स हैंडल पर यह दुखद सूचना साझा की। उनके कार्यालय ने कहा है, "अत्यंत दुख और खेद के साथ सूचित किया जा रहा है कि नामीबिया गणराज्य के राष्ट्रपति और हमारे प्रिय डॉ. हेज जी. गेनगोब का आज (रविवार) लगभग 00:04 बजे लेडी पोहाम्बा अस्पताल में निधन हो गया। इस समय उनके पास मेडिकल टीम, उनकी पत्नी मैडम मोनिका गिंगोस और उनके बच्चे थे। अफसोस है कि उनके जीवन को बचाने के सारे प्रयास विफल हो गए।"

राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा है, " देश ने प्रतिष्ठित सेवक, मुक्ति संघर्ष के प्रतीक,संविधान के मुख्य वास्तुकार और नामीबियाई घराने के प्रमुख स्तंभ को खो दिया है। आवश्यक राज्य व्यवस्था करने के लिए कैबिनेट तत्काल प्रभाव से बुलाई जाएगी। डॉ. हेज जी. गेनगोब की आत्मा को शाश्वत शांति मिले।"

पाकिस्तान के कराची में तेज बरसात से जनजीवन थमा

कराची। पिछले 24 घंटे से हो रही तेज बरसात ने आज पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची की सूरत बिगाड़ दी। शहर के कई हिस्से जलमग्न हैं। आज सुबह शहर के सुरजानी, उत्तरी कराची, बफर जोन, नागन चौरंगी, स्कीम 33 और इसके आसपास के इलाके में जमकर बारिश हुई है।

जिओ न्यूज ने पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग के पूवार्नुमान के हवाले से कहा है कि कराची में बादल छाए रहेंगे। महानगर के विभिन्न हिस्सों में रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी। कराची का अधिकतम तापमान 19.9 डिग्री सेल्सियस है। उत्तर-पूर्व से आठ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही हैं। दोपहर बाद हवा की गति 20-25 किलोमीटर प्रति घंटा हो सकती है।

जिओ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, शहर के तमाम इलाकों में जाम लगा हुआ है। इस वजह से कय्यूमाबाद चौरंगी, चुंदरीगर रोड, बर्न्स रोड, आर्ट्स काउंसिल, गोदाम चौरंगी से चमरा चौरंगी तक कोरंगी औद्योगिक क्षेत्र रोड, शमा सेंटर के पास शाह फैसल कॉलोनी क्षेत्र में लोगों को गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। कई जगह सीवेज के साथ बारिश का पानीघरों और अस्पतालों में घुस गया है।

शहर की मुख्य सड़क शारिया फैसल के कुछ हिस्से पूरी तरह से पानी में डूब गए हैं। कई जगह कारें फंस गई हैं। बारिश का पानी ड्रिघ रोड अंडरपास में अभी तक भरा हुआ है। गिजरी अंडरपास को आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में शर-ए-फैसल पर सबसे अधिक 75 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.: 9565333000
Email:- akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

चिली की जंगलों में लगी आग, 19 की मौत, 1100 घर नष्ट

नई दिल्ली। मध्य और दक्षिण चिली के घनी आबादी वाले इलाके के आसपास लगी भीषण जंगल की आग में 19 लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 1,100 घर नष्ट हो गए। चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक ने देश में आग को फैलने से रोकने के लिए आपातकाल घोषित कर दिया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि जंगल में लगी आग को बुझाने के लिए सभी बल तैनात हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति का आकलन करने के लिए आपात सेवाओं की बैठक चल रही है।'

चिली की आंतरिक मंत्री कैरोलिना तोहा ने कहा कि वर्तमान में देश के केंद्र और दक्षिण में 92 जंगल आग की चपेट में हैं, जहां इस सप्ताह तापमान असामान्य रूप से अधिक रहा है।

उन्होंने बताया कि सबसे घातक आग वालपराइसो क्षेत्र में लगी है, जहां अधिकारियों ने लोगों से अपने घरों को नहीं छोड़ने का आग्रह किया ताकि फायरट्रक, एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहन आसानी से काबू पा सकें। उन्होंने बताया कि आग से 19 लोगों की मौत हुई है और ये संख्या और भी बढ़ सकती है।

उन्होंने कहा कि क्विलपुए और विला एलेमाना कस्बों के पास शुक्रवार से दो बार आग लगने से कम से कम 8,000 हेक्टेयर (19,770 एकड़) जमीन जल गई है। इनमें से एक आग विना डेल मार के तटीय रिसॉर्ट शहर को खतरे में डाल रही थी। वालपराइसो क्षेत्र में तीन आश्रय स्थल स्थापित किए गए हैं। बचाव दल अधिक प्रभावित इलाकों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आग पर काबू पाने के लिए 19 हेलीकॉप्टर और 450 से अधिक अग्निशमन कर्मियों को लगाया गया है।

भारत में जन्मे पाकिस्तान के प्रमुख न्यायविद रशीद ए रजवी का निधन

कराची। भारत में जन्मे पाकिस्तान के वरिष्ठ न्यायविद रशीद ए रजवी का 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों ने शनिवार को इसकी पुष्टि की।

जिओ न्यूज के अनुसार, रजवी का कराची के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। उनके जनाजे की नमाज आज (रविवार) डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी के एक इमाम बारगाह में पढ़ी जाएगी। रजवी एक अनुभवी वकील और सेवानिवृत्त न्यायाधीश थे। उन्होंने अपने शानदार करियर के दौरान चार बार सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संभाला। उनका जन्म दिसंबर 1947 में मुंबई (भारत) में हुआ था। रजवी 1956 में अपने परिवार के साथ कराची आ गए थे।

गाजा में कम से कम 17 हजार बच्चे अकेले : संयुक्त राष्ट्र

शुक्रवार को येरुशलम में संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के फिलिस्तीन संचार प्रमुख जोनाथन क्रिक्स ने कहा कि यह आंकड़ा गाजा में विस्थापित हुए 1.7 मिलियन लोगों में से एक प्रतिशत के बराबर है। शन्हिुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा पट्टी् की कुल आबादी लगभग 2.3 मिलियन है। इस सप्ताह गाजा का दौरा करने वाले संयुक्त राष्ट्र अधिकारी ने कहा कि उन्होंने वहां 12 बच्चों से मुलाकात की, इनमें से तीन ने अपने माता-पिता को खो दिया है। उन्होंने कहा, "उन सभी आँकड़ों के पीछे एक बच्चा है जो इस भयानक नई वास्तविकता से परिचित हो रहा है।" उन्होंने कहा, भोजन, पानी और आश्रय की कमी के कारण परिवार अतिरिक्त बच्चों की देखभाल करने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा, फिलिस्तीनी बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ा है। जब भी वे बमबारी सुनते हैं तो उनमें अत्यधिक चिंता, भूख न लगना, अनिद्रा और घबराहट होती है।

रूस ने की सीरिया व इराक पर अमेरिकी हमलों की निंदा

मॉस्को। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि रूस सीरिया और इराक पर अमेरिकी हमलों की कड़ी निंदा करता है और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) सुरक्षा परिषद के माध्यम से उभरती स्थिति की तत्काल समीक्षा की मांग कर रहा है। जखारोवा ने शनिवार को एक टेलीग्राम पोस्ट में कहा, "इराक और सीरिया में रणनीतिक हमलावरों से जुड़े अमेरिकी हवाई हमलों ने एक बार फिर दुनिया को मध्य पूर्व में अमेरिकी नीति की आक्रामक प्रकृति और वाशिंगटन द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानून की पूर्ण अवहेलना का प्रदर्शन किया।"

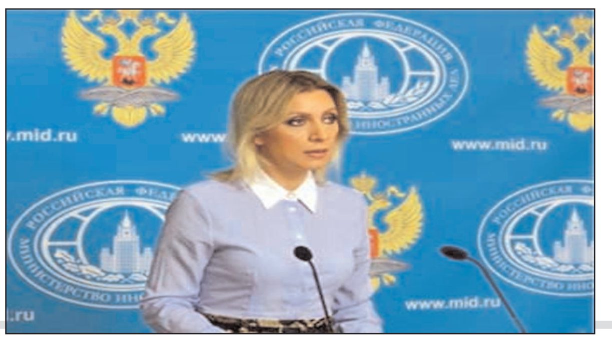

समाचार एजेंसी शन्हिुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका जानबूझकर हमले करके क्षेत्र के बड़े देशों को संघर्ष में झोंकने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने कहा, "हाल की घटनाएं इस बात की पुष्टि करती हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस क्षेत्र की समस्याओं के समाधान की तलाश नहीं कर रहा है और न ही कभी किया है।"

अमेरिका ने जॉर्डन में अपने सैन्य अड्डे पर हुए हमले के जवाब में शुक्रवार को सीरिया और इराक में ईरान से जुड़े मिलिशिया ठिकानों पर हमले किए थे।